A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 7 अप्रैल, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 177, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

हम रस्ते में क्या सुस्ता कर बैठ गए
लोग हमें रस्ते से हटा कर बैठ गए
एक तेरे पहलू से उठ कर जाते ही
कितने ग़म पहलू में आ कर बैठ गए
अब उस की बेचैनी देखने लायक़ है
हम तो उस का ध्यान बँटा कर बैठ गए
उस को भी दुनिया से काम निकल आया
हम भी इस दिल को समझा कर बैठ गए
उस के रिश्ते निकले सादा लोगों से
जितने शातिर थे झुंझला कर बैठ गए।

– डॉ.पूनम यादव

पहली बात

रामायण के अथाह समुन्दर में 'राम' की सियासी पड़ताल

उमेश त्रिवेदी
प्रधान संपादक

रामनवमी पर राम की शक्ति-पूजा की आध्यात्मिक आराधना के मंगल-गान में राजनीतिक और व्यवसायिक आस्थाओं की जुगलबंदी राम-कथा की शास्त्रोक्त प्रस्तुति में नए आयाम जोड़ती महसूस हो रही है। सामाजिक जीवन की जिजीविषा में राम हमेशा जिंदगी की मुख्य धारा का हिस्सा रहे हैं। वो आज भी वैसे ही समाज की रग-रग में प्रवहमान हैं। जिंदगी की कैमेस्ट्री में उत्प्रेरक के रूप में उनकी उपस्थिति और सक्रियता हर पल महसूस की जाती है। राम के साथ आम आदमी की आस्थाओं का यह अनुबंध राम-नाम की सहजता और सरलता को अभिव्यक्त करता है। लेकिन देश, काल और परिस्थितियों के अनुसार लोगों की आस्थाओं का रूपाकार बदलता रहता है। राम के रूपाकार में परिवर्तन ही राजनीति में 'राम' और 'राम' की राजनीति से जुड़े सवालों की अनुगूंज के साथ जहन को कुरेदने लगता है। शायद यही वजह है कि अयोध्या में राम-मंदिर की स्थापना के बाद भी भारत की राजनीति में राम पर बहस का सिलसिला जारी है। जबकि, चुनाव में पक्ष-विपक्ष के बीच सत्ता के डिवीडेंड का बंटवारा जनता कर चुकी है।

वैसे भी 'राम' की राजनीति और राजनीति में 'राम' के प्रसंग राम-कथा जितने ही पुराने और समाज की मुख्य-धारा का हिस्सा रहे हैं। जाने-माने समाजवादी चिंतक राम मनोहर लोहिया अपने बहुचर्चित निबंध 'राम, कृष्ण और शिव' में कहते है कि 'राम, कृष्ण और शिव भारत में देश की पूर्णता के तीन महान स्वप्नों के रेखाकंन हैं।' वो कहते हैं कि 'उनमें भारत की उदासी और रंगीन सपने एक साथ प्रतिबिम्बित होते हैं।' राम, कृष्ण और शिव के बारे में डॉ. राम मनोहर लोहिया की इस वन-लाइनर थीसिस की व्याख्याओं का विस्तार ही देश की वर्तमान राजनीति की पड़ताल का अहम् पड़ाव माना जा सकता है।

लेकिन राम से जुड़ी इस पड़ताल में राम-कथा की परम्पराओं के सन्मार्गों पर प्रतिमानों के नए बैरियर चौंकाते हैं। सदियों से सीधी, सरल एकजाई अनुभूतियों को किसी सुनिश्चित सांचे में ढाल कर 'सबके राम' को 'अपने राम' में रूपांतरित करना संभव नहीं हैं। 'सबके राम ''सबके राम' ही रहेंगे, उनकी मिल्कियत बदलना संभव नही है। 'राम' आएंगे तो सबके घर पर आएंगे, सबके दरवाजों पर 'राम' की ज्योत जलेगी, सबके आंगन में उजियारा होगा। राजनीति में निराकार 'राम' को कई आकारों में रूपायित किया जाता रहा है। उनके रूपों को बांधना आसान नही हैं। राम को बांधने की कोशिश सभी करते हैं, लेकिन किसी को भी उसका कॉपी-राइट हासिल नही हैं।

लेकिन राजनीति में राम-नाम के सबसे सबसे बड़े लाभार्थी के रूप में नाम भाजपा का नाम आता है। भाजपा ने राम-मंदिर की स्थापना के साथ हिंदू-पुनरूत्थान को नए आयाम दिए हैं। राम की पताका के साथ भाजपा देश के सर्वोच्च सत्ता शिखर पर विराजमान है। भाजपा ने राम को हिंदुत्व के साथ जोड़ कर समर्थन का अभूतपूर्व खजाना हासिल किया है। दूसरी राजनीतिक पार्टियां इस मर्म को समझने में असफल रहीं कि राम भारत की हिंदू-अस्मिता का प्रतीक बन चुके हैं। राम के अस्तित्व और उनकी ऐतिहासिकता को टटोलना या कुरेदना बेमानी है। भारत के कई विरोधी दलों ने उनके होने या नहीं होने को लेकर सवालों के जो पत्थर उछाले थे, वो वापस उनके ही सिरों पर गिरे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में समाजवादी विचारक डॉ. राममनोहर लोहिया के निबंध 'राम,कृष्ण और शिव' का यह प्रसंग गौरतलब है, जिसमें डा लोहिया राम के अस्तित्व पर होने तकाजों को बेमतलब और हास्यास्पद निरूपित करते हैं। डॉ. लोहिया कहते हैं कि 'भारतीय इतिहास की आत्मा और देश के सांस्कृतिक इतिहास के लिए यह निरर्थक बात है कि भारतीय पुराण के ये महान लोग धरती पर पैदा हुए अथवा नहीं पैदा हुए।' शिव और कृष्ण के साथ राम को भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्नों में शामिल करते हुए लोहिया कहते हैं कि उनमें भारत की उदासी और रंगीन सपने एक साथ प्रतिबिंबित होते हैं। राम मर्यादित पुरूष की नीति-निपुणता की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति थे। अपने वनवास के दौरान राम ने राजा बाली को हराया, लेकिन सत्ता पर उसके भाई को बिठाया। लंका को जीतने के बाद भी उन्होने उसे हड़पा नहीं, बल्कि रावण के छोटे भाई विभीषण को वहां का राजा बनाया। डॉ. लोहिया कहते हैं कि इससे स्पष्ट होता है कि 'राम का जीवन किसी का कुछ भी हड़पे बिना फलने की कहानी है'।

राम-कथा धर्म, नीति और मर्यादा को प्रतिष्ठित करने वाला शाश्वत आख्यान है। शायद इसी वजह से आज याने वर्तमान कालखंड में रामकथा सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि अखंड भारत की सीमाओं से परे दुनिया के 63 देशों में सुनी और सुनाई जाती है। इंडोनिशिया, थाईलैण्ड और फिलीपींस समेत इन सारे देशों में राम कथाओं का मंचन होता है। गौरतलब है कि ये सभी देश हिंदू बहुल राष्ट्र नहीं है। दूसरे धर्मावलम्बियों की बहुतायत के बावजूद इन देशों में रामकथा के प्रति रूझान और सम्मान बरकरार है। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब 'हिंदुस्तान की खोज' में लिखा है कि वो दुनिया में रामायण और महाभारत के अलावा ऐसी किसी भी पुस्तक के संपर्क में कभी नहीं आए, जिसने अपने देश के जन-मानस पर इतना गहरा प्रभाव छोड़ा हो...। ये किताबें आज भी हिन्दुस्तान की जनता पर अपना जीता-जागता असर रखती हैं।

'हिन्दुस्तान की खोज' में रामायण के संदर्भ बारे पंडित नेहरू ने फ्रांसीसी इतिहासकार मिशले का उल्लेख किया है। किताब में नेहरू ने 1864 में रामायण के बारे में लिखे मिशले के कथन को उद्धृत किया है। मिशले ने लिखा था -'जिस किसी ने भी बड़े काम किए हैं, या बड़ी आकांक्षाएं पाली हैं, उसे इस गहरे प्याले से जिंदगी और जवानी का एक लंबा घूंट पीना चाहिए...पश्चिम की सभी चीजें संकरी और तंग हैं, यूनान एक छोटी जगह है, उसका विचार करते हुए मेरा दम घुटने लगता है, जूडिया खुश्क जगह है और मैं हांफ जाता हूं। मुझे विशाल एशिया और गहन पूर्व की तरफ जरा देर देखने दो। वहां मिलता है मुझे मेरे मन का महाकाव्य... हिंद महासागर जैसा विस्तृत, मंगलमय, सूर्य के प्रकाश की तरह चकमता हुआ, जिसमे देव-संगीत है, और जहां जरा भी बेसुरापन नहीं है, वहां एक गहरी शक्ति का राज्य है, और कशमकश के बीच भी वहां बेहद मिठास और इंतेहा दर्जे का भाईचारा है, जो सभी जिंदा चीजों पर छाया हुआ है... मुहब्बत, दया, क्षमा का अपार अथाह समुन्दर है।' अब, जरूरत इस बात की है कि सभी लोग रामायण और राम को इसी भाव-भूमि पर ग्रहण करें...।

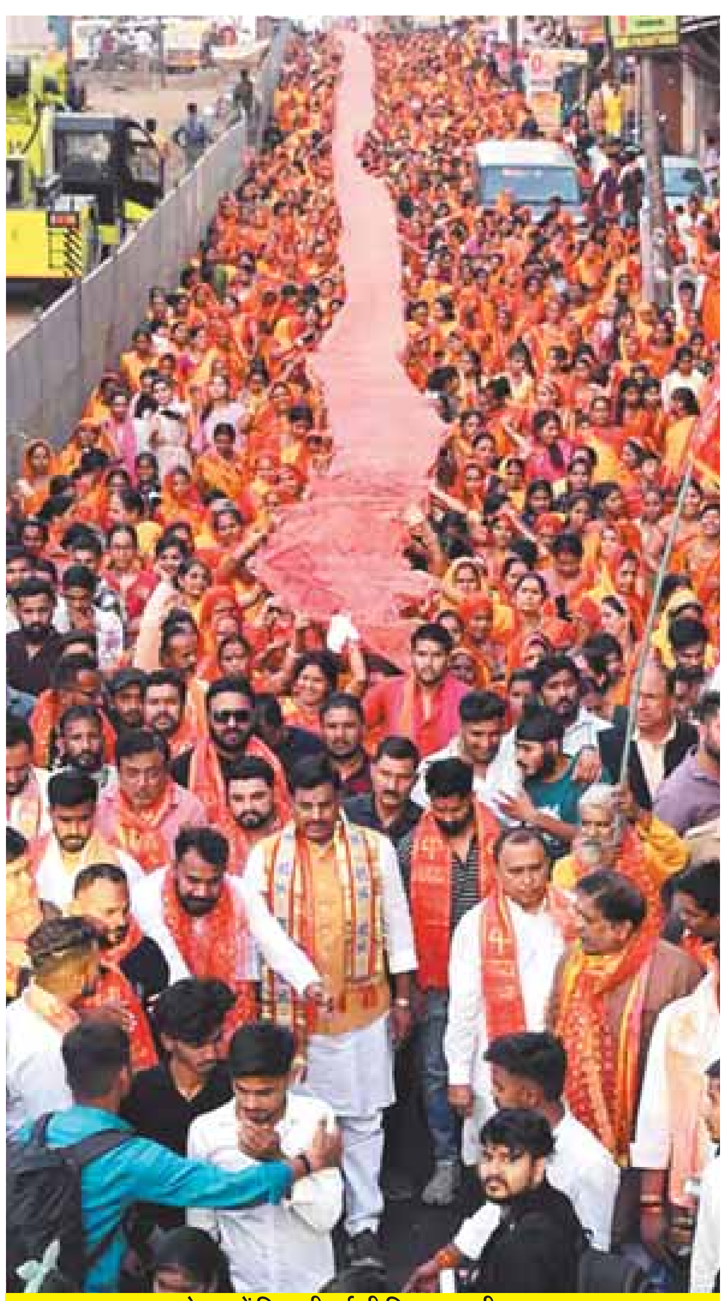

कोलार में निकाली गई थी विशाल चुनरी यात्रा।

तमिलनाडु के नेता खुद ही 'तमिल' में सिग्नेचर नहीं करते

मोदी बोले-राज्य सरकार डॉक्टरी की पढ़ाई तमिल में कराए

● भाषा विवाद के बीच पीएम की मांग,स्टालिन सरकार को घेरा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति और ट्रायलैंग्वेज को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी रविवार को रामेश्वरम पहुंचे। इस दौरान सीएम स्टालिन उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे। जनसभा के दौरान उन्होंने भाषा विवाद का जिक्र किए बिना डीएमके

नेताओं और सीएम एमके स्टालिन को नसीहत दे दी। पीएम ने कहा- मैं राज्य सरकार से मांग करता हूं कि वे डॉक्टरी की पढ़ाई तमिल भाषा में कराएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के कई नेताओं की चिट्ठियां मेरे पास आती हैं। आश्चर्य की बात है कि कोई नेता तमिल में सिग्नेचर नहीं करता। तमिल का गौरव बने, इसलिए इन लोगों को स्थानीय भाषा में सिग्नेचर करना चाहिए। पीएम ने डीएमके सरकार पर भाषा विवाद में राजनीति करने का भी आरोप लगाया। पीएम ने कहा यह गलत परंपरा है।

तमिल भाषा में कराएं मेडिकल कोर्स, गरीब बच्चे बनेंगे डॉक्टर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामेश्वरम में विशाल जनसमूह के समक्ष प्रदेश के मुखिया एमके स्टालिन से अपील की। ये अपील 'भाषा' को लेकर थी। उन्होंने आग्रह किया कि गरीब बच्चों की सुविधा को ध्यान में रख प्रदेश सरकार मेडिकल कोर्स तमिल भाषा में कराए। पीएम मोदी ने तमिलनाडु सरकार से एक अपील की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में 1400 से ज्यादा जनऔषधि केंद्र हैं। यहां 80 फीसदी डिस्काउंट पर दवाएं मिलती हैं। इससे भी तमिलनाडु के लोगों की 7 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई। देश के नौजवानों को डॉक्टर बनने के लिए विदेश जाने की मजबूरी नहीं रहेगी। इसके लिए बीते सालों में तमिलनाडु को 11 मेडिकल कॉलेज मिले हैं। अब गरीब से गरीब बेटा-बेटी भी डॉक्टर बन सकते हैं। मैं तमिलनाडु सरकार से कहना चाहता हूं कि वे तमिल भाषा में मेडिकल कोर्स जारी करें, ताकि अंग्रेजी न जानने वाले गरीब परिवार के बेटे-बेटी भी डॉक्टर बन सकें।

इंजीनियरों और श्रमिकों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हजारों साल पुराने शहर को 21वीं सदी के इंजीनियरिंग चमत्कार से जोड़ा जा रहा है। मैं अपने इंजीनियरों और श्रमिकों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूं। यह पुल भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्री पुल है। इसके नीचे से बड़े जहाज गुजर सकेंगे। इस पर ट्रेनें भी तेजी से चल सकेंगी। नई ट्रेन सेवा से रामेश्वरम से चेन्नई और देश के अन्य हिस्सों तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे तमिलनाडु में व्यापार और पर्यटन दोनों को लाभ होगा। युवाओं के लिए नई नौकरियां और अवसर भी पैदा होंगे। बीते 10 सालों में भारत ने अपनी इकोनॉमी का साइज दोगुना किया है। इतनी तेज ग्रोथ का एक बड़ा कारण हमारा शानदार मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर भी है। बीते 10 सालों में हमने रेल, रोड, एयरपोर्ट, पानी, पोर्ट, बिजली, गैस पाइपलाइन, ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट करीब 6 गुना बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के आरोपों का जवाब दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के सफर में तमिलनाडु की बहुत बड़ी भूमिका है। मेरा मानना है कि तमिलनाडु जितना मजबूत होगा। भारत उतनी ही तेजी से आगे बढ़ेगा। पिछले दस सालों में केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के विकास के लिए 2014 से पहले की तुलना में तीन गुना ज्यादा पैसा दिया है। उन्होंने आगे कहा कि इसके बावजूद कुछ लोगों को बिना किसी कारण रोने की आदत है। वे रोते रहते हैं।

अयोध्या में 'भए प्रगट कृपाला दीनदयाला' की गूंज

● रामलला का हुआ सूर्य तिलक अद्भुत नजारा, उमड़ी पड़ी भीड़

अयोध्या (एजेंसी)। प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर अवधपुरी एक बार फिर उन क्षणों की स्मृतियां को जीवंत हुई, जब श्रीरामलला अपने मनमोहक बाल स्वरूप में भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इस मौके पर रविवार को प्रभु को श्रृंगार किया गया। साथ ही भगवान भास्कर द्वारा प्रभु के तेजस्वी ललाट पर सूर्य तिलक का अलौकिक दृश्य भी रामभक्तों को देखने को मिला। इस सूर्य तिलक के साथ ही पूरे सालभर तक भगवान राम का सूर्याभिषेक किया जाएगा। सूर्य तिलक के बाद रामलला की आरती की गई। सूर्य तिलक से पहले कुछ देर के लिए रामलला के पट बंद किए गए थे और गर्भगृह की लाइट बंद कर दी गई। रामलला के सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के पाइप से सिस्टम बनाया गया है। इसमें 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भ गृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। अब

तक 5 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। राम जन्मभूमि परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम मंदिर के बाहर एक किमी की लाइन लगी है।

मैहर में होगा माँ शारदा लोक का निर्माण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मैहर में माँ शारदा के दर्शन कर जनता को रामनवमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मैहर में माँ शारदा देवी का भव्य शारदा लोक का निर्माण किया जायेगा। इसी तरह चित्रकूट में वनवासी भगवान श्रीराम लोक का भी निर्माण होगा। आज रावनवमीं पर पूरी अयोध्या जगमग है तो भगवान श्रीराम की कर्मभूमि चित्रकूट भी आज लाखों दीपों से जगमग होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बहनों की माँग पर मैहर सहित प्रदेश के 19 धार्मिक क्षेत्रों में शराबबंदी कर दी है। मैहर में शीघ्र ही कलेक्ट्रेट भवन का निमार्ण कार्य शुरू किया जायेगा। इसी साल बरगी बांध से माँ नर्मदा का जल मैहर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पहुंचाया जायेगा। प्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है। वर्ष 2003 में केवल 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा थी, जिसे 55 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाया गया है। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से अगले 5 साल में प्रदेश में 1 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। मैहर में 250 एकड़ क्षेत्र में विशाल गौशाला का निर्माण भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मैहर में रामनवमीं के दिन माँ शारदा

मंदिर में दर्शन कर आमसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ शारदा की कृपा से मैहर जिले को मॉडल के रूप में विकसित किया जायेगा। रामनवमीं पर माँ शारदा से मुझे आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। आज हम रामनवमीं के साथ माँ शारदा के परम भक्त और परमवीर आल्हा का 1300वां जन्म वर्ष भी मना रहे हैं। आल्हा ने अपनी वीरता से बुंदेलखण्ड की धरती को वीरों की धरती बनाया। प्रदेश में आल्हा के जीवन से जुडे कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित किये जायेंगे, जिसका पूरा खर्च सरकार उठायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक कलाकारों ने भी वीर रस से भरे हुए मोहक आल्हा गायन से युद्धों का सजीव वर्णन किया। ऐसा लग रहा था जैसे सचमुच में तलवारें चल रही हैं। मुख्यमंत्री ने मंच में आल्हा कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाली कला-मण्डलियों को 50-50 हजार रूपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से देश और प्रदेश तेजी से विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों से देश की हर कठिनाई दूर हो रही है। कश्मीर में धारा-370 को समाप्त कर आतंकवादियों की कमर तोड़ने के साथ विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। अब तो पाक अधिकृत कश्मीर भी भारत में मिलने की माँग कर रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन-कल्याणकारी नीति, सुव्यवस्था और विकास के कार्यों के प्रति जनता का विश्वास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश तेजी से विकास कर रहा है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2003 के पहले औद्योगिक विकास दर 1 प्रतिशत से भी कम थी। आज औद्योगिक विकास दर 12 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश देश में सबसे तेजी से औद्योगिक विकास करने वाला राज्य है। हर संभाग मुख्यालय में इन्वेस्टर्स मीट में औद्योगिक क्षेत्र में निवेश के बडे प्रस्ताव मिले है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22°c न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 7 अप्रैल 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

अब ईसाइयों की जमीन पर है आरएसएस की नजर

वक्फ बिल पास होने के बाद राहुल गांधी का गंभीर आरोप

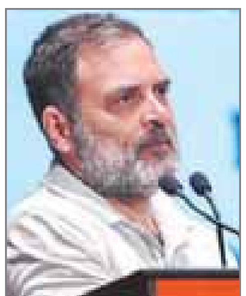

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नजर वक्फ के बाद अब ईसाई समुदाय की भूमि पर पड़ गई है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि संविधान रूपी ढाल से ही सबकी रक्षा की जा सकती है। राहुल गांधी में संघ समर्थक पत्रिका ऑर्गनाइजर के एक लेख पर आधारित खबर का स्क्रीनशॉट साझा किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मैंने कहा था कि वक्फ विधेयक अभी मुसलमानों पर हमला करता है लेकिन भविष्य में अन्य समुदायों को निशाना बनाने की मिसाल बनेगा। संघ को ईसाइयों की ओर अपना ध्यान ले जाने में देर नहीं लगी।' राहुल गांधी ने कहा, संविधान ही एकमात्र ढाल है जो हमारे लोगों को ऐसे हमलों से बचाता है और इसकी रक्षा करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। कांग्रेस नेता ने जिस लेख का हवाला दिया, अब ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है। खबर के अनुसार, ऑर्गनाइजर के लेख में वक्फ से तुलना करते हुए कहा गया कि कैथोलिक चर्च और उसके संस्थानों के पास लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि है। मालूम हो कि वक्फ संशोधन विधेयक भारत सरकार की ओर से प्रस्तावित एक कानून है, जिसका उद्देश्य 1995 के वक्फ अधिनियम में संशोधन करना है।

इस्लाम ही नहीं, संविधान को भी लहूलुहान करने वाला है

- वक्फ बिल पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सख्त, करेगा प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने संसद में पास हुए हालिया वक्फ संशोधनों को इस्लाम, शरीअत, धार्मिक और संस्कृति की आजादी के साथ-साथ देश के सेक्युलर ढांचे पर एक बड़ा हमला बताया है। बोर्ड का कहना है कि इन संशोधनों से सिर्फ मुस्लिम समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक आजादी पर चोट नहीं की गई, बल्कि भारतीय संविधान की आत्मा को भी लहूलुहान किया गया है। बोर्ड ने सख्त लहजे में कहा कि कुछ कथित सेक्युलर पार्टियों का साथ मिल कर भारतीय जनता पार्टी की फिरकापरस्त राजनीति करना बेहद अफसोसनाक है। इससे उनकी असलियत भी सामने आ गई है। बोर्ड का कहना है कि इन पार्टियों ने अपने वोटबैंक की खातिर सेक्युलरिज्म की नकाब ओढ़ी हुई थी, जो अब उतर चुकी है।

श्रीलंका में भारत का मास्टर स्ट्रोक, कर दिया 'खेला'

- चीन की चाल करेगा नाकाम, यूएई संग मिलाया हाथ

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर इंडियन ओशन में अपना कूटनीतिक खेल दिखाया है। इस बार श्रीलंका में चीन की पकड़ को कमजोर करने के लिए भारत ने मास्टरस्ट्रोक चला है। दलअसल श्रीलंका के त्रिंकोमाली शहर में भारत, यूएई और श्रीलंका के बीच एक बड़े ऊर्जा हब को बनाने का ऐलान हुआ है। यह कदम न सिर्फ तीन देशों के आपसी सहयोग को मजबूती देगा बल्कि चीन की अरबों डॉलर की परियोजनाओं को चुनौती भी देगा। शनिवार को कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान यह समझौता हुआ। मोदी का यह दौरा श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के सत्ता में आने के बाद पहला दौरा था। इस मौके पर त्रिपक्षीय समझौता किया गया जिसे भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, श्रीलंका के ऊर्जा सचिव प्रो. केटीएम उदयंगा हेमपाला और यूएई के प्रतिनिधियों ने साइन किया। दरअसल त्रिंकोमाली एक प्राकृतिक डीप-वॉटर हार्बर है और रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जाता है, यह अब ऊर्जा हब बनने जा रहा है।

देश में यूसीसी लागू होना जरूरी, मिलेगा बराबरी का हक

- कर्नाटक हाईकोर्ट बोला-संविधान निर्माता भी इसके हक में थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू होना बहुत जरूरी है। इससे सभी नागरिकों को (खासकर महिलाओं को) बराबरी का हक मिलेगा। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से

अपील की है कि वे मिलकर ऐसा कानून बनाएं। यह टिप्पणी जस्टिस हंचाटे संजीव कुमार की सिंगल जज बेंच ने एक पारिवारिक संपत्ति विवाद के मामले में की। यह मामला मुस्लिम महिला शहनाज बेगम की मौत के बाद उनकी संपत्ति के बंटवारे को लेकर था, जिसमें उनके भाई-बहन और पति के बीच विवाद हुआ। कोर्ट ने इस मामले के बहाने मुस्लिम पर्सनल लॉ पर सवाल उठाए और कहा कि ये कानून महिलाओं के साथ भेदभाव करता हैं। कोर्ट ने कहा कि हिंदू कानून में बेटियों को पैतृक संपत्ति में बराबरी का अधिकार है, जबकि मुस्लिम कानून में भाई को मुख्य हिस्सेदार और बहन को कम हिस्सेदार माना जाता है, जिससे बहनों को कम हिस्सा मिलता है।

तमिलनाडु में एआईएडीएमके के साथ होगा बीजेपी का गठबंधन !

अमित शाह के दौरे से पहले अटकलें हुईं तेज, राज्य इकाई का भी दबाव

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी और एआईएडीएमके के बीच फिर से गठबंधन की अटकलें तेज हो रही हैं। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस महीने के अंत में तमिलनाडु का दौरा करेंगे। अमित शाह का यह दौरा आगामी बिहार चुनावों और पश्चिम बंगाल के 2026 में होने वाले चुनावों से पहले की रणनीति के तहत तय किया गया है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि गृह मंत्री एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। मार्च में एआईएडीएमके नेता एदप्पादी के पलानीस्वामी ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की थी, जिससे यह अटकलें तेज हो गईं कि दोनों पुराने सहयोगी विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर गठबंधन कर सकते हैं और द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बना सकते हैं। एक सूत्र ने कहा, उनकी मुलाकात संघ विचारक एस गुरुमूर्ति और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से भी हुई, लेकिन क्या एआईएडीएमके नेताओं से बातचीत हो रही है, इस पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। राज्य के कुछ नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव डाला है कि वह एआईएडीएमके के साथ फिर से गठबंधन करें, जिससे पार्टी को राज्य में अपनी पकड़ बढ़ाने और एंटी-डीएमके भावना का लाभ उठाने का मौका मिलेगा। एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा, दोनों दलों के नेताओं के बीच गठबंधन की संभावना को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। हमें उम्मीद है कि राज्य में संगठनात्मक फेरबदल के बाद इस बारे में जल्द ही कोई घोषणा की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष के पद से के. अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद सबकी नजरें इस बात पर हैं कि पार्टी किसे उनका उत्तराधिकारी चुनेगी।

शाह का बिहार और पश्चिम बंगाल दौरा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आगामी यात्रा में बिहार का होने वाला है। प्रदेश के एक नेता ने बताया, मार्च में अपनी पिछली यात्रा के दौरान अमित शाह ने राज्य के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और पार्टी की स्थिति के बारे में जानकारी ली थी। आगामी दो दिवसीय यात्रा के दौरान मंत्री चुनावी रणनीति के लिए दिशा-निर्देश देंगे। पश्चिम बंगाल का दौरा भी जल्द घोषित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को सशक्त करना और आगामी चुनावी अभियान की रणनीति तय करना है। शुक्रवार को भाजपा के सांसदों ने राज्य में शिक्षक भर्ती में गड़बड़ी और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का मुद्दा उठाया था।

पीएम मोदी ने किया वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज का उद्घाटन

- देश में इस तरह का पहला ब्रिज, पांच मिनट में 22 मीटर तक ऊपर उठेगा

चेन्नई (एजेंसी)। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक नया तोहफा दिया। उन्होंने नया पंबन रेलवे पुल देश को समर्पित किया। इसके साथ ही, रामेश्वरम से तांब्रम (चेन्नै) के लिए एक नई ट्रेन भी शुरू की। एक और खास बात हुई। पीएम मोदी ने एक तटरक्षक जहाज को भी रवाना किया। जब पुल का वर्टिकल लिफ्ट हिस्सा ऊपर उठा, तो जहाज उसके नीचे से गुजरा। यह पुल की तकनीक का शानदार प्रदर्शन था। वर्टिकल लिफ्ट हिस्सा मतलब पुल का वो भाग जो ऊपर-नीचे हो सकता है, ताकि जहाज निकल सकें। यह तकनीक वाकई कमाल की है। पंबन रेलवे ब्रिज रामेश्वरम द्वीप को भारत की मुख्य भूमि से जोड़ता है और यह वैश्विक मंच पर भारतीय इंजीनियरिंग की एक बड़ी उपलब्धि है।

पीएम मोदी ने राम सेतु का किया दिव्य दर्शन

पीएम मोदी अपनी तीन दिन की श्रीलंका यात्रा से लौट आए हैं। श्रीलंका से लौटते समय पीएम मोदी को राम सेतु के भी दर्शन हुए। इस बात की जानकारी पीएम मोदी ने खुद सोशल मीडिया पर ट्वीट कर दी। पीएम ने राम सेतु से जुड़ा एक वीडियो भी एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर किया। पीएम मोदी ने लिखा, आज रामनवमी के पावन अवसर पर श्रीलंका से वापस आते समय आकाश से रामसेतु के दिव्य दर्शन हुए। ईश्वरीय संयोग से मैं जिस समय रामसेतु के दर्शन कर रहा था, उसी समय मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के दर्शन का भी सौभाग्य मिला। मेरी प्रार्थना है, हम सभी पर प्रभु श्रीराम की कृपा बनी रहे।

बंगाल में रामनवमी पर बीजेपी का 'शक्ति प्रदर्शन'

भगवा हो गईं ममता के राज्य की सड़कें, ड्रोन से निगरानी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में रविवार सुबह ही रामनवमी का पर्व शोभायात्राओं और जय श्री राम के नारों के साथ शुरू हो गया। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सड़कों पर उमड़ पड़े। रामनवमी पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुबह से ही सड़कों पर उत्सव का माहौल दिखाई दिया। भगवा रंग के झंडे, भक्ति संगीत और रामायण के दृश्यों को दिखाने वाली झांकियां निकाली जा रही हैं। अकेले कोलकाता में 60 से ज्यादा

शोभायात्राएं आयोजित करने का कार्यक्रम है, जिसके लिए लगभग 4,000 से 5,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। उप आयुक्त और संयुक्त आयुक्त रैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को शोभायात्राओं के रास्तों पर सुरक्षा की निगरानी का काम सौंपा गया है। बीजेपी की राज्य इकाई के प्रमुख सुकांत मजूमदार ने कहा, रामनवमी पर आयोजित अनेक कार्यक्रमों में लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। मैं राज्य सरकार से आग्रह करूंगा कि वह व्यवस्था करे ताकि शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाया जा सके। समारोह को जबरन रोकने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रामनवमी का जश्न मनाया जाएगा, चाहे कुछ भी कर लो।

पैसे से नहीं, संस्कारों से अपना देश बनेगा विश्वगुरु

- गुरुग्राम में खट्टर बोले-जाति भूलकर एक हरियाणा बनाएं

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में पटौदी के हरि मंदिर संस्कृत महाविद्यालय का 105वां वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है। शनिवार देर शाम कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल शामिल हुए। उन्होंने कहा कि दशकों से यह संस्थान न केवल विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र रहा है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं

बचाव कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना की है। जनजागरण के तहत आम लोग लगातार इसमें सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का गुरु बने, हम सभी को अपने सामूहिक प्रयासों से देश को उस स्तर पर ले जाना है। क्योंकि विश्व गुरु बनने के लिए अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण नहीं है। उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि उस देश के लोग सामाजिक जीवन में कैसा व्यवहार करते हैं। जिसका मार्ग हमारे गुरुओं के सान्निध्य से निकलता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की समस्याओं का एक-एक करके हल निकाला जा रहा है।

राष्ट्रपति की मंजूरी, वक्फ बिल बना कानून

देश में लागू होने की तारीख केंद्र सरकार तय करेगी

- मुस्लिम संगठनों का विरोध, सुप्रीम कोर्ट में मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) बिल को शनिवार देर शाम मंजूरी दे दी। सरकार ने नए कानून को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी किया। अब नए कानून को लागू करने की तारीख को लेकर केंद्र सरकार अलग से एक नोटिफिकेशन जारी करेगी। यह बिल (अब कानून) पर 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। नए कानून को लेकर कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और एएपी विधायक अमानतुल्लाह खान ने

अलग-अलग याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इन याचिकाओं में कहा गया है कि वक्फ संशोधन एक्ट मुस्लिम कम्युनिटी के साथ भेदभाव करता है। यह एक्ट मुसलमानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन भी करता है। इस पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में हो रहे पक्षपात, दुरुपयोग और अतिक्रमण को रोकना है। इस बिल (अब कानून) को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने समर्थन दिया था, जबकि 95 ने इसका विरोध किया। वहीं लोकसभा में देर रात 2 अप्रैल को पारित हुआ था। इस दौरान 288 सांसदों ने समर्थन में और 232 ने विरोध में वोट डाला था। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने शनिवार शाम को वक्फ बिल के विरोध में दो पेज का लेटर जारी किया। बोर्ड ने कहा कि हम सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेंगे। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि संशोधन पूरी तरह से निरस्त नहीं हो जाते।

भाजपा का 46वां स्थापना दिवस

कामयाबी के साथ अतीत को भी याद रखना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी रविवार को अपना 46वां स्थापना दिवस मना रही है। इस मौके पर पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा का झंडा फहराया। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा- सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को कामयाबी के साथ-साथ अपने अतीत को भी याद रखना होगा। हमें अपने पुराने कार्यकर्ताओं से संवाद जारी रखना है, उनसे मिलना है, उन्हें समझना है। उन सभी के संघर्ष से आज पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। नड्डा ने आगे कहा- हमने राममंदिर बनाने का वादा किया तो पूरा किया। धारा 370 का वादा भी पूरा किया।

मौत के मुंह में 25 मील यात्रा !

सबसे खतरनाक जनजाति में बीमारी बांटने निकला था अमेरिकी

पोर्ट ब्लेयर (एजेंसी)। फिरोजा पानी और सुनहरी रेत से घिरा... नॉर्थ सेंटिनल शायद दुनिया का सबसे खूबसूरत द्वीपों में से एक है, लेकिन यहां की रहस्यमयी और खतरनाक जनजाति ने इस द्वीप को शायद दुनिया के सबसे डरावने द्वीपों में से एक बना दिया है। 2018 में जब अमेरिका का रहने वाला एक ईसाई धर्म का प्रचारक चोरी से इस द्वीप पर जाकर ईसाई धर्म का प्रचार करने की कोशिश की थी, तो उसे मार दिया गया था। उसका शव भी द्वीप से वापस नहीं लाया जा सका। इस द्वीप पर रहने वाली जनजाति को भी सेंटिनल जनजाति ही कहा जाता है। ये द्वीप एक बार फिर से चर्चा में इसलिए है, क्योंकि इस बार अमेरिका के रहने वाले एक यूट्यूबर ने इस द्वीप पर उतरने की गुस्ताखी की है।

अंडमान निकोबार के द्वीप के डरावने हैं राज, तीर-भाले से स्वागत

इस द्वीप पर रहने वाले लोग बाहरी दुनिया से कोई वास्ता नहीं रखना चाहते हैं और अगर कोई इनसे मिलने की कोशिश करता है, तो उस पर हिंसक हमला किया जाता है। अमेरिकी यूट्यूबर मिखाइलो विक्टोरोविच पोल्याकोव ने इस द्वीप पर अवैध रूप से घुसने की कोशिश की थी, जिससे एक बार फिर इस जनजाति की सुरक्षा और उनके अधिकारों पर चर्चा छिड़ गई है। सेंटिनल द्वीपों पर जिसने भी पहुंचने की कोशिश की है यहां की जनजाति के लोग उनका स्वागत तीर और भालों से करते हैं। बाहरी दुनिया के लोगों को यहां मार दिया जाता है। लिहाजा इस द्वीप के लोगों की रक्षा के लिए सरकार ने बेहद सख्त कानून बना रखे हैं। अगर कोई इस द्वीप पर जाने की कोशिश करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे पांच सालों के लिए जेल की सजा हो सकती है। लेकिन इसके बाद भी अमेरिकी यूट्यूबर पोल्याकोव ने घातक सेंटिनली जनजाति से मिलने की कोशिश की और उसके लिए उसने एक नाव में करीब नौ घंटे में 25 मील की यात्रा की। वह यहां बीमारी फैलाना चाहता था।

सेंटिनल द्वीप का रहस्यमयी समुदाय, किसी से नहीं मिलता

आपको बता दें कि सेंटिनलीज जनजाति दुनिया की सबसे अलग-थलग और अनदेखी जनजातियों में से एक है। वे हजारों वर्षों से बाहरी दुनिया से कटे हुए हैं और किसी भी बाहरी संपर्क को स्वीकार नहीं करते हैं। जो भी उनसे मिलने की कोशिश करता है, वो उसपर तीर और भालों से हिंसक हमला कर देते हैं। उनकी भाषा, संस्कृति और उनकी जीवनशैली के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। पिछली बार जब उनके बारे में जानने की कोशिश की गई थी तो उन्होंने बाहरी लोगों पर तीर और भाले से हमला किया था, जिसके बाद सरकार ने इस जनजाति के लोगों की सुरक्षा और उनके संरक्षण के लिए इस द्वीप पर जाने या इनसे किसी भी तरह के संपर्क पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया। उल्लंघन करने वालों को 5 साल की जेल की सजा का भी प्रावधान रखा गया। जनजातियों पर अध्ययन करने वाले एक्सपर्ट्स का मानना है कि ऐसे अनछुए समुदाय बाहरी बीमारियों के प्रति अत्यंत संवेदनशील हो सकते हैं।

रामनवमी पर महाकाल का भगवान राम स्वरूप में श्रृंगार

भस्म आरती में वैष्णव तिलक, भांग, पुष्प अर्पित हुए

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार को रामनवमी पर्व पर महाकाल का भगवान राम के स्वरूप में श्रृंगार किया गया। बाबा महाकाल के आंगन में तड़के होने वाली भस्म आरती के दौरान मंदिर के कपाट खोले गए। सबसे पहले सभा मंडप में वीरभद्र जी के कान में स्वस्ति वाचन कर घंटी बजाकर भगवान से आज्ञा लेकर सभा मंडप वाले चांदी के पट खोला गया। गर्भगृह के पट खोलकर पुजारी भगवान का श्रृंगार उतार कर पंचामृत पूजन के बाद कर्पूर आरती की। नंदी हाल में नंदी जी का स्नान, ध्यान, पूजन किया गया। जल से भगवान महाकाल का अभिषेक करने के पश्चात दूध,दही,घी,शक्कर, शहद फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। भगवान महाकाल का रजत चंद्र, त्रिशूल, मुकुट और आभूषण अर्पित कर श्रृंगार किया। भांग, चन्दन, ड्रायफ्रूट और भस्म चढ़ाई गई, शेषनाग का रजत मुकुट रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला धारण की भगवान महाकाल ने। फल और मिष्ठान का भोग लगाया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। मान्यता है की भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते है।

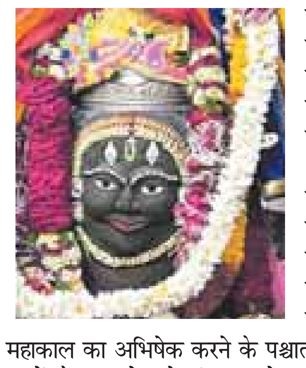

महिला के घर लगाई आग, तोड़फोड़ भी की

पिता से बात करने के शक में किया उपद्रव, दोस्त को लेकर पहुंचा था आरोपी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के गांधीनगर में एक महिला ने 2 आरोपियों के खिलाफ धमकाने, तोड़फोड़ करने और घर में आग लगाने के मामले में केस दर्ज कराया है। निजी कंपनी में काम करने वाली महिला ने बताया कि आरोपी को शंका थी कि वह उसके पिता से बात करती है। इसी को लेकर उसने आगजनी की घटना को अंजाम दिया। गांधी नगर पुलिस ने महिला की शिकायत पर ऋषभ कुशवाह और मोंटी पर एफआईआर दर्ज कर ली है। वह लिम्बोदागिरी कॉलोनी में रहती है। घटना 3 अप्रैल की रात की है। इस दौरान देर रात ऋषभ का कॉल आया और कहा कि वह घर से बाहर निकले। कारण पूछा तो ऋषभ ने कहा कि तुम मेरे पिता से बात करती हो। घर के अंदर से ही महिला ने इस बात से इंकार किया। तब आरोपियों ने महिला के बेटे को अपशब्द कहे। इसके बाद आरोपी घर पर पत्थर फेंकने लगा। बाद में ऋषभ और मोंटी ने बाटल का पेट्रोल महिला के घर के दरवाजों पर डाला और उसके आग लगा दी। घबराकर मां-बेटे दोनों बाहर आए। वहां आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। तब आरोपी मौके से भाग गए। इस दौरान आसपास के लोगों ने आग बुझाई। महिला ने बताया कि आग लगने से घर में खड़ी बाइक, बिस्तर, कपड़े और दस्तावेज और अन्य सामान पूरी तरह से जल गया। बाद में पीड़िता ने पुलिस को शिकायत की। डर के चलते महिला और बेटे शनिवार को थाने पहुंचे और केस दर्ज कराया।

शादी से पहले करता था परेशान

अब ससुराल में छेड़छाड़, युवती की शिकायत पर पुलिस ने किया केस दर्ज

इंदौर(एजेंसी)। इंदौर के चंदन नगर में नवविवाहिता से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक शादी से पहले ही महिला को परेशान करता था और शादी के बाद भी उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। अब ससुराल तक आकर परेशान कर रहा है। चंदन नगर पुलिस के मुताबिक, 21 साल की नवविवाहिता की शिकायत पर अजय कुशवाह (निवासी राज नगर) के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि शादी से पहले ही अजय उसका पीछा करता था और घर के बाहर खड़ा रहता था। करीब दो महीने पहले उसकी शादी हो चुकी है, लेकिन इसके बाद भी आरोपी ने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। महिला के मुताबिक, अजय अब ससुराल के बाहर आकर खड़ा हो जाता है और जब वह बाहर निकलती है तो उसे घूरता है। इससे परेशान होकर उसने बाहर जाना तक बंद कर दिया था। पीड़िता ने बताया कि 28 मार्च को जब वह अकेली थी, तब अजय ने ससुराल के बाहर उसका हाथ पकड़ लिया और जबरदस्ती बात करने की कोशिश की। इस दौरान आरोपी ने कहा शादी हो गई तो क्या, रहना तो इसी इलाके में है। घबराकर महिला घर के अंदर भाग गई और यह बात अपने पति और मायकेवालों को बताई। फिर वह थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।

शीश महल में प्रभु श्रीराम के दर्शन

रणजीत हनुमान मंदिर में सजा था भव्य दरबार, थ्री-लेयर दर्शन व्यवस्था थी, दोपहर 12 बजे हुई आरती

इंदौर (एजेंसी)। रामनवमी पर शहर के प्रमुख राम मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया है। कई स्थानों से धार्मिक यात्राएं भी निकली। खास आकर्षण शहर का प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर है। जिसे इस बार शीश महल का रूप में सजाया गया है। प्रभु श्रीराम शीश महल में अपने भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। मंदिर को मथुरा-वृंदावन और इंदौर के कलाकारों द्वारा सजाया गया है। श्रीखंड और साबूदाने की खिचड़ी का प्रसाद भी भक्तों को वितरित किया जाएगा। रणजीत हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी पं.दीपेश व्यास ने बताया कि कलाकारों द्वारा मंदिर को महल के रूप में सजाया जा रहा है। विशेष रूप से प्रभु श्रीराम के महल की कलाकृति को शीश के झरोखे, झूमर, पर्दे और डिजाइनर आर्टिकल का इस्तेमाल किया गया है। महल तैयार करने के लिए लगभग 7 हजार रनिंग फीट लकड़ी और 600 से 700 मीटर कपड़े का इस्तेमाल किया गया है। विभिन्न प्रकार के कांच के कट पीस से कलात्मक डिज़ाइन तैयार की गई है। इसे सुंदरता देने के लिए डिजाइनर आर्टिकल का इस्तेमाल किया गया है।

सुबह भगवान का हुआ अभिषेक

मंदिर के मुख्य पुजारी पं.दीपेश व्यास ने बताया कि सुबह 6 बजे सात दिवसीय अखंड रामायण की स्थापना की गयी। 7.30 बजे भगवान श्रीराम का अभिषेक किया गया। इसके बाद सुबह 9 बजे भगवान का श्रृंगार शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे भगवान का जन्मोत्सव मनाया गया।

थ्री स्टेप में भगवान के दर्शन

मंदिर में सुबह से ही भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। हजारों भक्त मंदिर में भगवान के दर्शन करने के लिए आते हैं। भक्तों को दर्शन करने में परेशानी न हो और जल्द दर्शन हो सके इसके लिए थ्री स्टेप में व्यवस्था की गई है, ताकि एक बार में कई भक्त एक साथ दर्शन कर सके।

कूलर और एलईडी के साथ पानी की थी व्यवस्था

मंदिर परिसर में 10 बाय 16 की एक एलईडी भी लगाई जाएगी। जिस पर लाइव दर्शन भक्त कर सकेंगे। इसके अलावा 20 से ज्यादा कूलर मंदिर परिसर में लगाए जाएंगे। भक्तों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था भी यहां की जाएगी। 200 से ज्यादा भक्त मंडल के सदस्य व्यवस्थाओं को संभालेंगे। साथ ही 30 सुरक्षा गार्ड भी यहां लगाए जाएंगे।

इंदौर-भोपाल में होगा पर्यावरण अनुकूल आर्किटेक्चर सम्मेलन

40 देशों के विशेषज्ञ होंगे शामिल; आईआईए नैटकॉन में नहीं होगा डिस्पोजेबल आइटम्स का इस्तेमाल

इंदौर (एजेंसी)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (आईआईए) एमपी चैप्टर द्वारा देश की सबसे बड़ी आर्किटेक्चरल कॉन्फ्रेंस 'आईआईए नैटकॉन 2025' का आयोजन 11 से 13 अप्रैल तक किया जा रहा है। इस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका, यूके और जर्मनी सहित विश्वभर के शीर्ष आर्किटेक्ट्स इंदौर पहुंचेंगे। साथ ही देशभर के 2000 से अधिक आर्किटेक्ट्स भी शामिल होंगे। कॉन्फ्रेंस की थीम 'ट्रांसम' है, जिसका अर्थ है सेतू। इस थीम के तहत आयोजन में होने वाले 15 से अधिक सेशन्स में पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला के बीच सेतु स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। यह सम्मेलन नए विचारों, रचनात्मकताओं और प्रयोगों के बीच भी एक सेतु की तरह काम करेगा। इसमें विश्व की विभिन्न संस्कृतियों और नगरों का संगम भी देखने को मिलेगा। सम्मेलन में भारत की समृद्ध वास्तुकला को संरक्षित करते हुए नवाचार को अपनाने पर भी विचार-विमर्श होगा। आईआईए के वाइस प्रेसिडेंट आर्किटेक्ट जितेंद्र मेहता ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य देश और दुनिया के श्रेष्ठ आर्किटेक्ट्स को एक मंच पर लाकर नई पीढ़ी के आर्किटेक्ट्स को प्रेरित करना है, ताकि वे ऐसे कॉन्सेप्ट्स पर कार्य कर सकें, जो इतिहास और भविष्य के बीच संतुलन बनाए रखें। सम्मेलन के पहले दिन 11 अप्रैल को सभी सेशंस भोपाल में आयोजित होंगे। आईआईए इंदौर सेंटर के चेयरमैन आर्किटेक्ट नितिन घुले ने बताया कि 12 और 13 अप्रैल के सेशन्स इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में होंगे। इसके अलावा,आर्किटेक्ट्स उज्जैन जाकर महाकाल की भस्मारती में शामिल होंगे और वहां की आध्यात्मिक वास्तुकला का अनुभव करेंगे।

सस्टेनेबल डिज़ाइन और हेरिटेज पर होगी चर्चा: यह पूरा सम्मेलन कार्बन न्यूट्रल रहेगा। इंदौर सेंटर की सेक्रेटरी आर्किटेक्ट स्नेहल सोनटक्के ने बताया कि कार्यक्रम में डिस्पोजेबल आइटम्स का उपयोग नहीं किया जाएगा। फ्लैक्स और अन्य प्रिंटिंग का कार्य रिसाइकल जूट पर किया जाएगा। प्रयास यह भी रहेगा कि लाइट का उपयोग न्यूनतम किया जाए। एमपी चैप्टर के सेक्रेटरी आर्किटेक्ट मनोज श्रीमाल ने बताया सम्मेलन 11 अप्रैल को भोपाल से शुरू होगा। 12 अप्रैल को सभी आर्किटेक्ट्स इलेक्ट्रिक बसों द्वारा इंदौर पहुंचेंगे। इस दौरान वे स्थानीय धरोहर स्थलों को देखेंगे। साथ ही एक कॉलेज में बायो पार्क की स्थापना की जाएगी। जिसमें औषधीय और फलदार प्रजातियों के 300 से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। सम्मेलन में आर्किटेक्चर की नवीनतम तकनीकों के साथ-साथ सस्टेनेबल डिजाइन और अर्बन प्लानिंग पर भी विस्तृत चर्चा की जाएगी। कॉन्फ्रेंस में मारियाना कैबुगुएरा, काई-उबे बर्गमैन, लॉरेंस वोंग, हसन रगब, अनुपमा कुंडू जैसे प्रतिष्ठित आर्किटेक्ट्स विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शामिल होंगे।

मालवा आर्किटेक्चरल फेस्टिवल भी होगा: भोपाल और इंदौर के मध्य स्थित अरण्य रिसॉर्ट में 12 अप्रैल को मालवा आर्किटेक्चरल फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इस फेस्टिवल के माध्यम से देश और दुनिया के आर्किटेक्ट्स को मालवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। यहां मालवी भोजन, लोककलाओं की विविधता और भगोरिया की मस्ती का आनंद लिया जा सकेगा।

41 साल बाद मध्य प्रदेश में नैटकॉन

41 सालों बाद नैटकॉन मध्य प्रदेश में आयोजित हो रही है। पुर्तगाल की आर्किटेक्ट मारियाना कैबुगुएरा (मेटावर्स और अर्बन डिजाइनिंग एक्सपर्ट), 40 देशों में कार्य कर चुके आर्किटेक्ट काई-उबे बर्गमैन और एआई के माध्यम से प्राचीन वास्तुकला को संरक्षित करने वाले मिस्र के हसन रगब की कीनोट स्पीच विशेष रहेंगे।

बकाया पैसे के इंतजार में 1100 फैमिली

इंदौर की हुकुमचंद मिल के मजदूर परिवारों ने कहा कैसे लाएं 70 साल पहले का डेथ सर्टिफिकेट

इंदौर (एजेंसी)। 34 सालों से अपने खून-पसीने की गाढ़ी कमाई के रुपए हासिल करने के लिए हुकुमचंद मिल के 1100 से ज्यादा मजदूर परिवारों को अब भी संघर्ष करना पड़ रहा है। खास बात यह कि 2 साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में मजदूरों की बकाया राशि मिलने की प्रोसेस की शुरुआत वर्चुअली की थी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिसमापक को 224 करोड़ रुपए का चेक सौंपा था। ताकि मजदूर परिवार को बड़ी राहत मिले। यह राशि वितरण के लिए तीन कैटेगरी बनाई गई थी। पहली कैटेगरी उन मजदूरों की है जो जीवित हैं।

दूसरी कैटेगरी वह है जिनमें मजदूरों का निधन हो गया है और वारिस पत्नी है। तीसरी कैटेगरी में मजदूर और पत्नी दोनों का निधन हो गया है और बकाया राशि थर्ड पार्टी यानी बेटा-बेटी को मिलना है। इनमें से पहली और दूसरी कैटेगरी के पीड़ितों को उनकी बकाया राशि लगभग मिल गई लेकिन तीसरी कैटेगरी के 1100 से ज्यादा परिवारों को 2 साल बाद भी एक रुपया नहीं मिला है। इनसे आज भी वर्षों पहले जिस मां का निधन हो चुका है उनका डेथ सर्टिफिकेट मांगा जा रहा है। सालों पहले ब्याही गई बेटी से पिता के नाम का प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है। 2 साल पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मिल के मजदूरों के लिए चेक सौंपा था।

परिवार में कोई बीमार तो किसी के यहां शादी

बकाया राशि नहीं देने का कारण दस्तावेजी पेंच हैं। कारण भी ऐसे जैसे सालों पहले जिस मां (वारिस) का निधन हो चुका है, उनका मृत्यु प्रमाणपत्र पेश करें। सालों पुराना राशन कार्ड जिनमें भाई-बहन के नाम थे, लाने को कहा गया। ऐसे कई परिवार हैं जिनमें पिता और मां के निधन के बाद बेटी ही वारिस हैं लेकिन उनकी भी सालों पहले शादी हो चुकी है। उनसे पति के नाम और सरनेम वाला प्रमाण नहीं, बल्कि जिसमें पिता के नाम का प्रमाण लाने को कहा गया है।इसके चलते वे 2 साल से परिसमापक कार्यालय और हुकुमचंद मिल के चक्कर लगा रहे हैं। इन्हें रुपयों की सख्त जरूरत है। क्योंकि किसी के परिवार में कोई गंभीर बीमार है तो किसी के यहां शादी है।

18 साल के छात्र की हार्ट अटैक से मौत

- **पूजा के बाद सोया परिवार; रात 3 बजे बिगड़ी छात्र की तबीयत, अस्पताल में तोड़ा दम**

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में रहने वाले एक 18 वर्षीय छात्र की देर रात हार्ट अटैक से मौत हो गई। सीने में तेज दर्द और घबराहट के बाद परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। द्वारकापुरी पुलिस के अनुसार, अर्जुन (18) पुत्र जवाहर पटेल निवासी बंजारा धर्मशाला के पास को शनिवार देर रात परिजन एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उसे पहले पास के निजी अस्पताल ले जाया गया था, जहां से हालत गंभीर बताकर एमवाय रेफर किया गया।

इंदौर में मनाया गया भाजपा का स्थापना दिवस

नगर अध्यक्ष बोले- सिर्फ बीजेपी में साधारण कार्यकर्ता पीएम बनते; सोशल मीडिया पर शेयर होगी सेल्फी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के जावरा कंपाउंड स्थित बीजेपी ऑफिस में रविवार सुबह पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी का ध्वजारोहण किया गया और कार्यकर्ताओं को मिठाई बांटी गई। एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि हमारी पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। हालांकि, 1951 में जब जनसंघ की स्थापना हुई, तब से ही हमारा दल लगातार आगे बढ़ रहा था। लेकिन हमारे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इसके बाद जब हम दोबारा खड़े हुए, तो हमारे दूसरे राष्ट्रीय अध्यक्ष की भी रहस्यमय तरीके से हत्या कर दी गई। फिर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा मीसा कानून लागू किया गया। इसके बावजूद हमारे संगठन के कार्यकर्ता डटे रहे। इसका मुख्य कारण यह है कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित दल है, जो कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करता है।

कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर सेल्फी साझा करें

नगर अध्यक्ष ने बताया कि, यह एकमात्र पार्टी है, जहां एक साधारण कार्यकर्ता प्रधानमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष तक बन सकता है और सभी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करता है। सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि वे अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाकर सेल्फी सोशल मीडिया पर साझा करें।

पार्टी-संगठन को निरंतर आगे ले जाना है: प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती ने कहा कि हम सभी बहुत भाग्यशाली है कि हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सदस्य हैं। हमने 21 अक्टूबर 1951 जनसंघ से लेकर एक लंबी लड़ाई लड़ी है और आज हमारा दल एक बेहतर मुकाम पर है। हमें इसी तरह अपनी पार्टी और संगठन को निरंतर आगे लेकर जाना है।

समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए कार्य कर रही है पार्टी: सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित अंत्योदय योजना शुरू की गई थी। आज केंद्र सरकार, राज्य सरकार और इंदौर नगर निगम मिलकर समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। इसका परिणाम है कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 26 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं।

महापौर बोले- पार्टी देशभक्ति, प्रेम सिखाती है: महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि लोग हमसे पूछते हैं कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कैसे बन गई। इसका जवाब है, इस पार्टी से जो भी कार्यकर्ता एक बार जुड़ता है, वह कभी इसे छोड़ता नहीं है। और जो छोड़ देता है, वह किसी और से नहीं जुड़ पाता। यह एकमात्र पार्टी है जो देशभक्ति सिखाती है, देश से प्रेम करना सिखाती है और हमारी संस्कृति, सनातन धर्म, भगवान राम व भगवान कृष्ण की बात करती है।

अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी ने दिखाए तेवर

इंदौर में तापमान 38 डिग्री पार, कमजोर सिस्टम से अगले हफ्ते और बढ़ेगी गर्मी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में अप्रैल के पहले हफ्ते में ही गर्मी का असर महसूस होने लगा है। शनिवार को दिन का तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, रविवार को भी ऐसी स्थिति थी। जबकि शुक्रवार को यह 37.4 डिग्री सेल्सियस था। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखी गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अब सिस्टम कमजोर होने से अगले हफ्ते तापमान और बढ़ेगा, और गर्मी का असर तेज होगा। शनिवार को सुबह 8 बजे ही पारा 27 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया था, जो शाम 5 बजे तक 37.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

रात का तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस (+2 डिग्री) रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था। इंदौर समेत प्रदेशभर में सोमवार और मंगलवार को हीट वेव (लू) का अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि यह अलर्ट उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में रहेगा, जबकि इंदौर संभाग में तेज गर्मी का असर देखा जा सकता है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि शुक्रवार को दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में सक्रिय था, जिससे गर्मी में कमी आई। लेकिन शनिवार को यह सिस्टम कमजोर हो गया, जिससे तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

इस महीने 7 से 10 दिन चलेगी लू: प्रदेश में अप्रैल महीने के दौरान मौसम का मिलाजुला असर देखने को मिलेगा। पहले हफ्ते में हल्की नमी रही, लेकिन दूसरे हफ्ते से लू का असर बढ़ सकता है।

संपादकीय

इससे न्यायपालिका की पारदर्शिता बढ़ेगी

दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के उनके सरकारी आवास से मिले अधजले नोटों की घटना से न्यायपालिका पर उठे संदेह बादल के बाद देश के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की पहल पर सुप्रीम कोर्ट के सभी न्यायाधीशों द्वारा अपनी सम्पत्ति की सार्वजनिक घोषणा का फैसला स्वागत योग्य है। क्योंकि आज देश जिन हालात से गुजर रहा है और जिस तरह लोकतांत्रिक संस्थाएं डगमगा रही हैं, उस स्थिति में न्यायपालिका और खासकर सर्वोच्च न्यायालय का बेदाग और पारदर्शी दिखना बेहद जरूरी है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने अपनी संपत्ति की घोषणा को सार्वजनिक करने निर्णय 1 अप्रैल को आयोजित एक फुल-कोर्ट मीटिंग में लिया था। जिसमें जजों ने अपनी संपत्ति की जानकारी भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंपने और इसे सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने का फैसला किया। तकनीकी तौर पर सुप्रीम कोर्ट के सभी जज अपनी संपत्ति की घोषणा जमा कर चुके हैं, लेकिन उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया था। वैसे भी भारत में जजों की संपत्ति को सार्वजनिक करने की मांग समय-समय पर विभिन्न राजनेताओं और एक्टिविस्टों द्वारा उठाई जाती रही है। यह मुद्दा न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाने के संदर्भ में चर्चा का विषय रहा है। बीजेपी सांसद रहे सुशील कुमार मोदी ने इस मुद्दे को संसद में उठाते हुए कहा था कि जिस तरह जनप्रतिनिधि और कार्यपालिक अधिकारी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करते हैं, उसी तरह जजों की संपत्ति भी सार्वजनिक होनी चाहिए। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ेगी और जनता का भरोसा मजबूत होगा। सुशील मोदी ने यह मांग न्यायिक सुधारों की व्यापक संदर्भ में रखी थी। सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील और एक्टिविस्ट इंदिरा जयसिंह भी लंबे समय से न्यायपालिका में पारदर्शिता की वकालत करती रही हैं। उन्होंने 'सूचना के अधिकार' के तहत जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। बिना इसके न्यायिक प्रणाली में भ्रष्टाचार के आरोपों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो सकता। कैंपेन फॉर ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स लंबे समय से न्यायपालिका में सुधारों की मांग कर रहा है। हालांकि, संपत्ति घोषणाओं को प्रकाशित करने की प्रक्रिया अभी तय की जानी बाकी है। इसमें यह अहम होगा कि क्या यह जानकारी पूरी तरह सार्वजनिक होगी या इसमें कुछ गोपनीयता के पहलू शामिल किए जाएंगे। इसके अलावा, इस कदम का असर जजों की स्वतंत्रता और उनकी निजता पर भी पड़ सकता है, जिस पर बहस छिड़ सकती है। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला निस्संदेह एक स्वागत योग्य कदम है, जो न्यायिक प्रणाली में विश्वास को और मजबूत करने की दिशा में काम करेगा। यह कदम न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी संदेश देगा कि कानून के रखवाले खुद को जवाबदेह मानते हैं। देश में भ्रष्टाचार की आंच से न्यायपालिका अछूती रही है, यह कहना सच पर पर्दा डालना होगा, लेकिन समूची न्यायपालिका ही ऐसी है, यह कहना भी सही नहीं होगा। इस बीच यशवंत वर्मा प्रकरण में आरंभिक जांच के बाद किसी सुनियोजित षड्यंत्र की बू आ रही है। लिहाजा सर्वोच्च न्यायालय ने बतौर न्यायाधीश उन्हें न्यायिक कार्य फिर से सौंपकर जस्टिस वर्मा की गरिमा की रक्षा की है। लेकिन इसी के साथ यह गंभीर सवाल भी उठ रहा है कि क्या भ्रष्ट तंत्र ईमानदार जजों को फंसाने का दुस्साहस करने जितना ताकतवर हो गया है? यहां सवाल यह भी है कि क्या सुप्रीम कोर्ट जजों का यह फैसला हाई कोर्टों और निचली अदालतों पर भी लागू होगा? इस बारे में अभी स्पष्टता नहीं है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा अपनी सम्पत्ति की घोषणा से नीचे वालों पर यह नैतिक दबाव तो बना ही है कि वो भी अपनी सम्पत्ति की घोषणा करें।

घटनाओं को राष्ट्रीयता के आधार से देखें व हल करें

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में ओरंगजेब की मजार को हटाने की चर्चा होने के बाद समूचे देश में एक आंतरिक तनाव नजर आ रहा है। कुछ स्थानों पर तो भारी हिंसा भी हुई है। नागपुर में लगभग 1200 लोगों के विरुद्ध तोड़फोड़ वा हिंसा के मामले दर्ज हुए हैं। देश के कई स्थानों पर बड़े-बड़े प्रदर्शन व धरना आदि किए गए है। यह विचित्र है कि आजादी के लगभग 77 साल के बाद भी हम लोग समस्याओं का आपसी समाधान करना तो दूर आपस में संवाद भी नहीं कर पाते और समस्याएं भी अक्सर कुछ लोगों और विशेषतः कुछ राजनेताओं के अनुचित और असंतुलित बयानों को लेकर शुरु होती है।

महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विधायक श्री अबू आजमी ने बयान देकर औरंगजेब को एक अच्छा प्रशासक कहा था और यह भी कहा था कि उनके बारे में गलत प्रचार किया गया है जिससे विवाद शुरु हुआ। हालांकि बाद में उन्होंने अपना बयान वापिस ले लिया।

हर व्यक्ति में कई प्रकार के गुण और कमियां होती है तथा उनके बारे में कोई अंतिम निष्कर्ष निकाल पाना कठिन होता है। जिस आधार पर श्री अबू आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की और कहा कि औरंगजेब ने देश के कुछ मंदिरों को जमीन दान दी तथा उनके एक सिपहसालार ने किसी पंडित की बच्ची के साथ अन्याय किया जिस पर से उन्होंने अपने सिपहसालार को हाथी के पैरों तले दबवा कर मार दिया। इतिहास की घटनाओं के बारे में विशेषतरू किंवदंतियों के बारे में प्रमाणित रुप से कुछ कहना कठिन होता है। परंतु उनके इस बयान के बाद संघ समर्थित संस्थाओं ने अबू आजमी के कथन का जबरदस्त विरोध किया। उन्होंने औरंगजेब के द्वारा छत्रपति शिवाजी के बेटे छत्रपति संभाजी को 40 दिन तक यातना देकर उनकी हत्या करने का आरोप दोहराया। उन्होंने यह भी कहा कि औरंगजेब ने अपने 49 वर्षों के शासनकाल में 46 लाख हिन्दुओं को मारा।

उत्तर प्रदेश की विधानसभा में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांनामा का उल्लेख करते हुए कहा कि शाहजहां ने लिखा था, खुदा करे ऐसी कमबख्त औलाद किसी की न हो। औरंगजेब द्वारा लगाए गए जजिया कर कि चर्चा भी उन्होंने की और प्रतिपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि वे जाकर बिहार के पुस्तकालय में रखी पुस्तकें पढ़े। 49 वर्षों में 46 लाख हिन्दुओं को मारे जाने की सूचना जरूर कुछ अतिरेक लगती है क्योंकि आज से 360 वर्ष पूर्व 1707 में देश की आबादी कितनी रही होगी इसकी गणना आसान नहीं है। 1947 में आज से 77 वर्ष पूर्व देश की आबादी लगभग 30 करोड़ के करीब थी। इसी आधार पर हम लोग आबादी का विश्लेषण करें तो 1707 में आबादी मुश्किल 5-6 करोड़ के आसपास रही होगी और उसके भी पहले 49 वर्ष औरंगजेब के शासनकाल के थे तब आबादी और भी कम हो सकती है। छह करोड़ की आबादी मान भी लें तो तीन करोड़ महिलाएं होगी और लगभग डेढ़ करोड़ बच्चे होंगे तो क्या यह संभव है कि 1.5 करोड़ की आबादी में से 49 लाख लोग मार दिए जाएं यानी हर 3 में से 1 व्यक्ति मैं यह गणना औरंगजेब के पक्ष में नहीं कर रहा हूं बल्कि इसलिए कि तथ्यों की निष्पक्ष विवेचना होना चाहिए, उसे किसी धर्म, जाति समूह के लिए तोड़ना-मोड़ना नहीं करना चाहिए। हालांकि मैं यह भी मानता हूं कि औरंगजेब एक क्रूर शासक था जो कट्टरपंथी मानस का व्यक्ति था जिसने सत्ता कि हवस के लिए अपने पिता शाहजहां को क्रूर यातनायें दीं जिसका उल्लेख शाहजहांनामा में मिलता है। अपने भाइयों को सत्ता से बेदखल करने के लिये इस्लाम विरोधी करार दिया और उनके साथ भी क्रूर व्यवहार किया। उसने छत्रपति शिवाजी के बेटे संभाजी राव की क्रूर तरीके से हत्या की, वह क्षम्य नहीं है और जजिया कर जिसे कुछ विद्वान लोग तर्क देकर यह सिद्ध करने का प्रयास करते हैं कि वह सेना में भर्ती के आधार पर लगाया था, गलत है तथा यह कर भी एक प्रकार का मजहबी कर था कुछ मंदिरों को जमीन दान देने से, कुछ लोगों की मदद करने से क्रूरता कम नहीं होती और उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक विदेशी आक्रामक सल्तनत का वारिस और नवाब था। उसके जीवन में कुछ चीजें मजहबी रूप में थीं जो उचित थी। जैसे यह कहा जाता है कि वह सरकारी खजाने का उपयोग अपने ऊपर नहीं करता था। इससे उसके आक्रामक, कट्टर व हिंसक होने के कामों का बचाव नहीं हो सकता।

दूसरा पक्ष यह है कि औरंगाबाद शहर का नाम जो पहले औरंगजेब के नाम पर था वह अब बदला जा चुका है वह नाम भी अब इतिहास के पटल से ओझल हो रहा है और धीरे-धीरे मिट भी जाएगा। परंतु मजार के हटने से क्या इतिहास की घटनाएं बदल जाएंगी? क्रूरता मिट जाएगी? जो उसके खाते में दर्ज है हालांकि यह अवश्य होगा कि मजार रहने से उसकी क्रूरता को लोग याद करते और अपने देश से विदेशी आक्रमण से परास्त होने के कारणों की खोज करेंगे। हम विदेशियों का मुकाबला क्यों नहीं कर सके इस पर चर्चा होती, परंतु इन सब चर्चाओं का कारण भी मजार के मिटने से खत्म हो जाएगा। मेरा सोचना है कि औरंगजेब की मजार के सामने एक पत्थर लगाया जाता जिस पर लिखा जाता कि औरंगजेब विदेशी आक्रमणकारी क्रूर शासक था और उसकी क्रूरता का उल्लेख उस पर किया जाता जिसमें शाहजहांनामा का संदर्भ और अनेक घटना के संदर्भ उल्लेख होते तथा यह भी की औरंगजेब सच्चा मुसलमान नहीं था वह केवल जन्मना मुसलमान,सत्ता का भूखा और लालची था। जो व्यक्ति सत्ता की ताकत से क्रूरता करता है उस अर्थ में वह क्रूर था।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने चतुराई का बयान दिया है कि चूंकि पुरातत्व विभाग की सूची में यह मजार दर्ज है अतः हम इसे हटा नहीं सकते और इसका संरक्षण हमारा वैधानिक कर्तव्य है। परंतु शासन किसी भी सूरत में औरंगजेब को महिमा मंडित करने की मंजूरी नहीं देगा। उनके बयान का कोई प्रभाव आमजन में नहीं पड़ा। यहां तक कि जिस नागपुर शहर के वे निवासी हैं वहां भी बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ हिंसा की घटनाएं हुई जिसे मीडिया के माध्यम से देश के लोगों ने देखा है।

अच्छा होता अगर श्री देवेंद्र फडणवीस मुस्लिम उलेमाओं को बुलाकर उनके तथा अन्य बुद्धिजीवियों के साथ तथ्यों के आधार पर यह अपील जारी करते की औरंगजेब जिसने अपने भाइयों को भी नहीं बख्शा, इस्लाम को बदनाम करने वाला शासक था। उसके प्रति भारतीय होने के नाते कोई भी समाज या व्यक्ति सहानुभूति व्यक्त नहीं कर सकता और हिंदू संगठनों को भी समझाते जो कि उनके परिवार के हैं यह बताते कि जब तक मजार है औरंगजेब की क्रूरता की चर्चा होगी हटने के बाद दब जाएगी।

कुछ मीडिया के मित्रों ने मजार को हटाने के पक्ष में रुस का उदाहरण दिया है जहां क्रांति के बाद लगाई गई लेनिन और स्टालिन की मूर्तियों को वहां की जनता ने हटाया है। यह मित्र उत्साह में भूल गए कि लेनिन व स्टालिन की मूर्ति किसी परिवर्तित सरकार ने नहीं हटाई किसी धर्म समूह ने नहीं हटाई बल्कि आम रूसियों ने हटाई थी, जो लोग साम्यवाद के क्रूर मॉडल के खिलाफ थे। अगर औरंगाबाद के छत्रपति संभाजी नगर के हिन्दू या मुसलमान मिलकर फैसला करते की यह मजार हटना चाहिए तो यह एक राष्ट्रीय एकता व इतिहास की विकृतियों को दूर करने का कार्य होता। परंतु एक गंभीर प्रश्न को राजनैतिक पक्ष विपक्ष में उलझा दिया।

कहा जाता है कि एक चादर वहां चढ़ाई जलाई गई थी जिस पर कुरान की आयत लिखी थी यद्यपि इसका मुख्यमंत्री ने खंडन इसका किया है। परंतु महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या एक चादर पर आयात लिख देना इस्लाम है? और आयात लिखे चादर के जल जाने से इस्लाम की अवमानना है। कुरान की आयत, रामायण की चौपाई, बाईबिल, या गुरु ग्रंथ साहिब की छपी हुई किताबें धर्मगुरुओं के सूत्रों का प्रकाशित वर्णन तो है पर किताब धर्म नहीं होती। बल्कि धर्म का मूल तो उसका विचार होता है। कितने ही हिंदू भाई ऐसे हैं जो हिंदू या सनातनी नैतिक परंपराओं का उल्लंघन करते हैं, कितने ही सिख भाई ऐसे हैं जो गुरु ग्रंथ साहब की बातों का उल्लंघन करते हैं और कितने ही ईसाई ऐसे हैं जो ईसा मसीह की सीखों का उल्लंघन करते हैं और कितने ही मुसलमान भाई हैं जो कुरान शरीफ की बातों का उल्लंघन करते है। दरअसल विरोध तो उन लोगों का होना चाहिए जो अपने धर्म के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। परंतु विचित्र है कि किताब या, कपड़े की चादर को लेकर तो लड़ते हैं परंतु धर्म के उल्लंघन करने वालों को अच्छा शासक,मुखिया, समाज का नेता मानते हैं। दअरसल हमारे समाज मानस की यह एक गंभीर विकृति है।

अंत में इतना ही कहूंगा कि एक भारतीय होने के नाते हमें अपने राष्ट्र को मजबूत बनाना है तो घटनाओं को धर्म के आधार पर देखने के बजाए राष्ट्रीयता और भारतीयता की कसौटी पर कसना होगा। हर धर्म के लोगों को अपने धर्म की कमियों की खिलाफत करना होगी और अपने धर्म के कट्टरपंथी जमातों के खिलाफ खुलकर खड़ा होना होगा।

बेंगलुरु में आयोजित प्रतिनिधि सभा से संदेश

संघ के सौ वर्ष

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इस वर्ष विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। शताब्दी वर्ष में संघ की बेंगलुरु में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का दो दिवसीय आयोजन अनेक अर्थों में महत्वपूर्ण घटना मानी जाएगी। संघ के सम्पूर्ण नेतृत्व मंडल के अलावा विचार परिवार के सभी 32 संगठनों के शीर्ष 1482 प्रतिनिधियों के आयोजन से निकला स्वर संघ और उसके विचार परिवार की भूमिका का दिग्दर्शन होगा। संघ की हर बैठक के संदर्भ में आम सोच यही होती है कि इस समय के सर्वाधिक चर्चित मुद्दे पर संघ का क्या रुख सामने आता है। हालांकि संघ की बैठकों के निर्णयों और वक्तव्यों ने बार-बार साबित किया है कि उसका हर कार्य-व्यवहार लक्ष्य की दृष्टि से होता है और तात्कालिक घटनाएं उसी के आलोक में देखी जाती हैं। बैठक के आरंभ में अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने पत्रकार वार्ता की, उद्घाटन दिवस पर सह सरकार्यवाह मुकुंद सीआर, दूसरे दिन सहसरकार्यवाह अरुण कुमार तथा अंत में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसाबोले ने पत्रकारों के माध्यम से बैठक की वांछित जानकारी दी। किसी ने भी अपनी ओर से महाकुंभ और बांग्लादेश को छोड़ अन्य पर वक्तव्य नहीं दिया क्योंकि ये बैठक के फोकस या मुख्य एजेंडा नहीं थे। सारे वक्तव्य प्रश्नों के उत्तर में दिए गए। औरंगजेब और उसके कब्र को लेकर प्रश्न के उत्तर में ही पहले अंबेकर ने इसे अप्रासंगिक बताया तो होसाबोले ने कहा कि देश के इथोस, संस्कृति, सभ्यता, प्रकृति के अनुरूप काम करते हुए समृद्धि में योगदान देता है उसे आइकॉन माना जाएगा या जो बाहर से आकर आक्रमण कर शासन किया, हजारों लोगों पर अत्याचार किए, धर्म परिवर्तन किया उसे यानी संदर्भ है कि देश किसे आदर्श माने।

एजेंडा के बारे में जानकारी देते हुए मुकुंद ने स्पष्ट किया कि संघ स्थापना के100 वें वर्ष की प्रतिनिधि सभा में संघ कार्य से सामाजिक प्रभाव और समाज में बदलाव लाने पर चर्चा,विचार-विमर्श होगा। सारे वक्तव्यों से स्पष्ट हुआ कि संघ शताब्दी के दौरान विशिष्ट गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेगा जो विस्तार तथा सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित होगा। इसके संदर्भ में लक्ष्य से संबंधित सूत्रों का आधार दिया गया तो उसके अनुसार आगे की कार्य योजनाएं। तीन सूत्र दिए गए- 1. आत्मचिंतन करना, 2. संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए समर्थन के लिए आभार प्रकट करना तथा 3. सबके वक्तव्य का स्वर था कि राष्ट्र तथा समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करना है। दत्तात्रेय ने कहा कि संघ का उद्देश्य हिन्दू समाज का पुनर्जागरण रहा है, लक्ष्य हिन्दू समाज को संगठित करना है। सहसरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि संघ संगठन नहीं, समाज परिवर्तन का बड़ा जनआंदोलन है। संघ शाखाओं और राष्ट्रव्यापी गतिविधियों के माध्यम से इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए काम कर रहा है।

अब जरा कार्यक्रमों की कुछ बिंदुवार रूपरेखा देखिए।

1. शताब्दी वर्ष में विजयादशमी 2025 को संघ गणवेश में स्वयंसेवकों के मंडल, खंड व नगर स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 2. नवंबर 2025 से जनवरी 2026 तक घर-घर संपर्क अभियान चलेगा। 3. सभी मंडलों और बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन आयोजित कर प्रत्येक के जीवन में एकता और सद्भाव, राष्ट्र के विकास में सभी का योगदान और संघ द्वारा घोषित शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन अर्थात परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्व का भाव, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी का संदेश दिया जाएगा। 4. सामाजिक सद्भाव बैठकें आयोजित कर सांस्कृतिक आधार और हिन्दू चरित्र को खोए बिना आधुनिक जीवन जीने का संदेश दिया जाएगा। 5. नागरिक संवाद आयोजित कर राष्ट्रीय दृष्टि से स्थापित नकारात्मक और विकृत नैरेटिव या विमर्श की जगह सही विमर्श स्थापित करने कोशिश होगी। इतने कार्यक्रमों के बाद शताब्दी वर्ष में लाखों लोग उनसे जुड़ते हैं तो किसी के लिए छाती पीटने का कारण नहीं होना चाहिए। जो लोगों की स्वाभाविक चाहत के अनुरूप काम करेगा लोग उसके साथ आएंगे।

सरकार्यवाह द्वारा प्रतिनिधि सभा के आरंभ में प्रस्तुत प्रतिवेदन में वर्ष भर के कार्यों के विवरण के साथ वर्तमान संगठन की स्थिति के आंकड़े उपलब्ध हैं। किसी को भी वह संघ की वेबसाइट पर मिल जाएगा। इसके अनुसार इस समय देश में लगभग एक करोड़ स्वयंसेवक हैं। शताब्दी वर्ष में संघ विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए 2,453 स्वयंसेवक आगे आए और विस्तारक बने गये। वो सब अपनी क्षमता के अनुरूप या थोड़ा भी काम करेंगे तो इसका असर होगा। संघ में युवाओं की संख्या यूं ही नहीं बढ़ रही है। इस वर्षआयोजित कुल

4,415 प्रारंभिक वर्गों में 2 लाख 22 हजार 962 स्वयंसेवक शामिल हुए, जिनमें 1 लाख 63,000 14 से 25 आयु वर्ग और 20 हजार से अधिक 40 वर्ष से ऊपर के आयु के थे। अरुणाचल में 1999 में काम शुरू हुआ और 274 शाखाएं लग रहीं हैं।

तमिलनाडु में जहां कार्य न के बराबर था वहां शाखाओं की संख्या चार हजार पार कर गई है। 1925 में संघ की स्थापना हुई और 1940 तक सभी प्रांतों में पहुंचे तो 1972 तक सभी जिलों में, 1996 तक सभी नगर और प्रखंडों तक पहुंच गए और अभी देश के सभी मंडलों (एक मंडल दस से बारह गांवों को मिलाकर बनाया गया है) तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। प्रतिवेदन में आए आंकड़ों के अनुसार 51 हजार 570 स्थानों पर प्रतिदिन 83 हजार 129 शाखाएं चलती हैं। साप्ताहिक शाखाओं और मिलन की कुल संख्या 1 लाख 15 हजार 276 है। संघ को अभी भी शहरी मध्य वर्ग और कुछ व्यापारियों का संगठन मानने वालों को दत्तात्रेय द्वारा दी गई इस जानकारी पर ध्यान देना चाहिए कि विस्तार में ग्रामीण मंडलों पर केंद्रित करते हुए देश को 58 हजार 981 ग्रामीण मंडलों में विभाजित किया है, जिनमें से 30 हजार 717 मंडलों में दैनिक शाखाएँ और 9 हजार 200 मंडलों में साप्ताहिक मिलन चल रहे हैं। विस्तार का ही परिणाम है कि संघ आज समाज जीवन के हर क्षेत्र में प्रभावी रूप से सक्रिय है जिनमें शिक्षा, चिकित्सा, स्वावलंबन, सामाजिक जागरण, सामाजिक सद्भाव जैसे क्षेत्रों में करीब 90 हजार गतिविधियों का आंकड़ा दिया गया है। सामाजिक समरसता के लिए उन क्षेत्रों में विशेष काम किया जा रहा है जहांअत्यधिक छुआछूत है।

किसी संगठन का कार्य-व्यवहार लक्ष्यों और उसके अनुरूप संकल्पों पर निर्भर करता है। शताब्दी वर्ष के संकल्प का शीर्षक है, विश्व शांति और समृद्धि के लिए समरस और संगठित हिन्दू समाज का निर्माण। कुछ पंक्तियों को उद्धृत कर समझा जा सकता है। अनंत काल से ही हिंदू समाज एक प्रदीर्घ और अविस्मरणीय यात्रा में साधनारत रहा है, जिसका उद्देश्य मानव एकता और विश्व कल्याण है एक संगठित, चारित्र्यसंपन्न और सामर्थ्यवान राष्ट्र के रूप में अपनी प्राचीन संस्कृति और समृद्ध परंपराओं के चलते सौहार्दपूर्ण विश्व का निर्माण करने के लिए भारत के पास अनुभवजनित ज्ञान उपलब्ध है। अतः सभी प्रकार के भेंदों को नकारने वाला समरसता युक्त आचरण, पर्यावरणपूरक जीवनशैली पर आधारित मूल्याधिष्ठित परिवार, 'स्व' बोध से ओतप्रोत और नागरिक कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्ध समाज, का चित्र खड़ा करने के लिए हम सब संकल्प करते हैं। प्रतिनिधि सभा विश्व के सम्मुख उदाहरण प्रस्तुत करने वाला समरस और संगठित भारत का निर्माण करने हेतु संकल्प करती है।

संघ की आलोचनाओं से परे हटकर विचार करिए। हिंदुत्व का सर्वसमावेशी विचार और उसके अनुरूप भारत राष्ट्र सहित संपूर्ण विश्व के कल्याण के लिए कार्यक्रम का संकल्प उपयुक्त दृष्टि या सही दिशा में कार्य करने से प्राप्त उपलब्धियां के आत्मविश्वास के बिना संभव नहीं। इसमें मनुष्य को मानसिक और शारीरिक रूप से विकसित करते हुए उसको अपने परिवार, समाज, देश और फिर विश्व कल्याण तक ले जाना, उस दृष्टि से राष्ट्र निर्माण जैसे व्यापक लक्ष्य शताब्दी वर्ष में सामने रखा है। इसके कार्यों को देखें तो उसमें सुसंगती दिखाई भी पड़ती है।

गरिमा हनन क्या अपराध नहीं?

मुद्दा

अम्बिका कुशवाहा अम्बी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

किसी मुल्क में निवास करने वाला प्रत्येक व्यक्ति समाज का हिस्सा होता है और वो जिस समाज के बीच रहता हैं, उस समाज में अपने आत्मसम्मान को बनाये रखता है। व्यक्ति अपने अच्छे कार्यो, अच्छे व्यवहार और नैतिकता द्वारा समाज में अपना आत्मसम्मान और गरिमा बनाए रखता हैं। किसी को भी दूसरों के आत्मसम्मान और गरिमा को ठेस पहुँचाने का हक नही है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 भी नागरिकों को 'जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार' देता है, जिसमे गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार को परिभाषित किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 21 को कई बार परिभाषित किया है। लेकिन सवाल यह कि क्या हमारा देश या समाज संविधान की गरिमा रख रहा हैं? रिया चक्रवर्ती का मामला पूरे लोकतंत्र को कठघरे में खड़ा करता है। लगभग 4 साल पहले वर्ष 2020, जब करोना की महामारी में लोग घरों में कैद थे। इसी बीच मुंबई के फ्लैट में सुशांत सिंह की सुसाइड का केस आता है। जो देश में चर्चा का विषय बन जाता है। जिसमें अपराधी उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को बनाया जाता है। सोशल मीडिया से लेकर कुछ कथित न्यूज चैनल ने रिया को डायन, चरित्रहीन, पैसों की लालची, काला जादू करने वाली बंगालन, हत्यारिन और न जाने कितने ही गंदे शब्दों से कलंकित करती है। लोगों ने उनकी निजी जीवन को तमाशा बना दिया, क्या ये संविधान की धज्जियां नहीं उड़ाता हैं?

लॉकडाउन का समय था। लोग घरों में कैद थे और इस समय सबसे ज्यादा सोशल मीडिया का इस्तेमाल हो रहा था। मीडिया को कोविड के अलावा कोई खास न्यूज मिलता नहीं था, जो लोगों को इंट्रेस्टिंग दिखा सके और टीआरपी भी तो चाहिए था, इसके लिए जितना हो सके, एक स्त्री का चरित्रहनन किया गया। पिछले पाँच सालों में उनकी जो बेइज्जती, मानसिक यातना, और सामाजिक बहिष्कार हुआ, वह उनके गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का हनन नहीं तो और क्या था? सीबीआई के पास कोई ठोस सबूत नहीं था फिर भी 27 दिन जेल में रहने पड़े। इन चार सालों में रिया और उनके परिवार ने जो झेला उसकी भरपाई कौन करेगा? रिया की तो छोड़िए, उनके पिता और भाई को भी घर से निकलना मुश्किल हो रखा था।

सोशल मीडिया पर उनकी बेइज्जती और परिवार को दी गई धमकियाँ दिखाती हैं कि हमारा समाज 'निर्दोष जब तक दोषी साबित न हो' के सिद्धांत को भूल गया। अगर रिया निर्दोष थीं, तो उनकी गरिमा का जो नुकसान हुआ–मानसिक तनाव, सामाजिक बहिष्कार, और करियर का अंत–उसकी भरपाई कौन करेगा?

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नए लेखकों की गणना करवा कर छपने का कोना आरक्षित करो

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जब कोई भी तीज त्यौहार आता, वसंत खिलता, पतझड़ झड़ता, हास्य दिवस मूर्ख दिवस के रूप मनता, महिला दिवस या पुरुष दिवस जब भी आता, केवल हॉलीडे के दिवस को छोड़कर जितने भी दिवस आते कॉलोनी के पंडित शिवनारायण जी को लेखक बनने का जिन्न उनके दिमाग में घर कर जाता। इस लेखक बनने के जुनून में एक दिन सुबह पंडित जी घर आए और बोल इतने सारे दिवस आते हैं सब के बारे में कुछ तो कुछ लिखा हुआ आता है मैं भी इन दिवसों को ए आई, गूगल, पत्र पत्रिकाओं से तथ्यों को चतुराई से लेकर अपने लेखकीय कौशल में शामिल कर बड़ा लेखक न बनूं मगर घर परिवार, रिश्तेदारों, मोहल्लेवालों में लेखक कहलाने लग जाउं।

इसके लिए पंडित से लेखक बनने के शौकिया पंडित जी बोले सफल लेखक के कुछ नुस्खे, कुछ इल्म बताओ। आप तो कैसे लेखक बने है यह मुझे मालूम है। लेकिन आप बीती को अलग हटाकर मुझे साहित्यकार की कतार में खड़ा करो। इस पर मुझे जैसे लेखक ने एक नई नवेले लेखक के रुझान को जानकर अपनी संवेदनाएं, शुभकामनाएं देते हुए पंडित जी को बताया कि लेखक का दर्द किसी पैमाने या किसी बैरोमीटर से पता नहीं चलता। लेखक का दर्द एक लेखक ही जान सकता है जैसे की खग की भाषा खग ही जानता है।

खैर पंडित जी को साहित्यकार बनने के कुछ नुस्खे दिमाग में रंग की तरह चढ़े और बताया कि सफल लेखक बनने के लिए पहला नुस्खा है देश के लेखकों को साहित्यकारों की गणना कराओ, जब देश में गिद्धों, उल्लुओं, गधों, चराचरों की गणना होती तो लेखकों की गणना क्यों नहीं हो सकती। जो कमजोर लेखक है उनके लिए पत्र-पत्रिकाओं में आरक्षण कराओ, अभी तक बड़े-बड़े लेखक ही साहित्यकार कहलाते हैं, वे कुछ भी भेजे छपता है और वही वाहवाही लूटते हैं। हमारे जैसे लेखक लेख भेज कर थक गए लेकिन संपादकों को दया करुणा नहीं आई।

इलाके के स्वयंभू साहित्यकार रंगलाल जी के बेरंग लेख जब छपते हैं तो हमारे चेहरे का रंग उड़ जाता है। जब देश भर के कमजोर, एक दूसरे पर कीचड़ उछलने वाले, आलोचनात्मक टिप्पणी करने वाले, हर बात पर नुस्खे निकलने वाले लेखकों का आंकड़ा सामने आएगा तो आंकड़े के गणित से ऐसे लेखक बड़े-बड़े लेखकों को प्रजातंत्र के आंकड़ों की मानिंद छका देंगे।

जब कमजोर लेखकों की गणना सामने आ जाएगी तो उन्हें बड़े-बड़े अखबार से फायदे मिलने शुरू हो जाएंगे और कमजोर लेखकों का आरक्षण होने से सरकार द्वारा दिए जाने वाले अलंकरण, बड़े-बड़े पुरस्कार, पदवी, सम्मान का कोटा निर्धारित होने से पुरस्कार, तमगे मिलना शुरू हो जाएंगे तो छोटे लेखको का समाज में वर्चस्व कायम हो जाएगा। जो संपादक उनके लेख और साहित्य को डस्टबिन में फेंक रहे थे उन्हें छापने की मजबूरी हो जाएगी और वे समाज में सम्मानित होने लगेंगे। उनके लेखन में नई ऊर्जा आने से वह साहित्य सृजन मुस्तैदी से कर पाएंगे।

सफल लेखक बनने के नुस्खे देते हुए वे बोले हर बात में नुस्खे निकालना बंद नहीं करोगे तो ऐसे ही छोटे मोटे लेखक कहलाते रहोगे। बड़े-बड़े नामचीन समाचार पत्र, पत्रिका में छपने के लिए ठाकुर सुहाती लेखनी चलाओ, जो सत्ता से जुड़े लेखक हैं उनकी जयंती, वैवाहिक वर्षगांठ मनाओ ताकि उनकी बैसाखी के सहारे तुम भी लेखक की गिनती में आकर की सम्मान हड़प लोगे। जिस तरह राजनीति में पाला बदलते हैं इसी तरह पाला बदलने की शैली अपनाओ तो तुम्हें वरीयता मिलेगी, अगली पंक्ति में बैठने लगोगे, कला, साहित्य अकादमी पर नजर रखो, जब भी कोई जानकारी लगे सोशल मीडिया से उनके तारीफ के पुल बांधो, अच्छा लेखक बनना है तो लटके झटकों वाले लेखन से दूरी बनाओ, वसंत, पतझड़, रोहिणी, सर्दी, प्रदूषण, टेसू, फागुन जैसे चितपरिचित मुद्दों पर चोर-चोर कर नए रूप में लेख मत लिखो। समझ गए!

नई नवेले लेखक के नुस्खे को ईजाद करोगे तब सभी नए लेखक की गणना का आंकड़ा सामने आएगा तो सभी नए-नए मिलकर एक नया लेखन एसोसिएशन बना लेना। नए कमजोर लेखकों को आरक्षण, उनकी आजीविका चलाने के लिए तरह-तरह के सरकारी कार्ड, कूपन, उम्रदराज लेखकों को पेंशन, स्वास्थ्य लाभ के लिए आयुष्मान कार्ड, टोल टैक्स में छूट और सरकारी लेखकीय कार्यक्रम में उनकी रचना पढने के लिए आमंत्रण, वजीफा पारिश्रमिक देने मांग देने की मांग कीजिए। तभी आप सफल लेखक बन सकेंगे।

आपको यह ऑफलाइन नुस्खे बताएं हैं अगली बार ऑनलाइन नुस्खों से सफल ऑनलाइन लेखक की श्रेणी में आने की कोशिश करना!

जैन-हिंदू फैसला-2

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

जैनियों को कानून के उद्देश्यों के लिए हिंदू माना जाए

भारतीय संविधान के भाग 3 में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है। अनुच्छेद 25 में निम्नलिखित प्रावधान है, अंतःकरण की स्वतंत्रता तथा धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता। हिंदू विवाह वैधता अधिनियम, 1949 हिंदुओं, सिखों और जैनों तथा उनकी विभिन्न जातियों, उपजातियों और संप्रदायों के बीच सभी मौजूदा विवाहों को वैध बनाने के लिए पारित किया गया था। अधिनियम की धारा 2 में 'हिंदू' की परिभाषा के अनुसार सिख या जैन धर्म को मानने वाले व्यक्ति भी शामिल हैं।

उच्च न्यायालय ने कहा कि हिंदू धर्म के मूलभूत सिद्धांतों का विरोध करने के पश्चात भी किसी जैन धर्म के अनुयायी को अपने धर्म की मूलभूत मान्यताओं के विपरीत मान्यताओं वाले हिंदू धर्म से संबंधित व्यक्तिगत विधि का अनुसरण करने की कोई वैधानिक बाध्यता शेष नहीं रहती है। उपरोक्त संपूर्ण विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष दिया जाता है कि ''हिंदू धर्म की मूलभूत वैदिक मान्यताओं को अस्वीकार करने वाले एवं स्वयं को बहुसंख्यक हिंदू समुदाय से अलग करके अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में स्थापित कर चुके जैन धर्म के अनुयायियों को पूर्व उल्लेखित राजपत्र अधिसूचना दिनांक 27 जनवरी 2014 के पश्चात हिंदू विवाह अधिनियम के अंतर्गत अनुतोष प्राप्त करने का कोई अधिकार शेष नहीं रहा है।

समाज धर्म, जाति, संप्रदाय, मूल और भाषा के आधार पर विभाजित है। विद्वान अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश ने हिंदू धर्म के अनुयायियों और जैन समुदाय के अनुयायियों की धार्मिक प्रथाओं के बीच अंतर का पता लगाने का प्रयास किया, ताकि उनके निष्कर्ष को पुष्ट किया जा सके कि धार्मिक प्रथा और रीति-रिवाज विशेष रूप से विवाह के संबंध में भिन्न हैं। हालांकि, विवादित आदेश में बताई गई प्रथाओं से ही पता चलता है कि दोनों समुदायों के अनुयायियों द्वारा किए जाने वाले विवाह अनुष्ठान आम तौर पर समान है। अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश को जैन समुदाय के अनुष्ठानों और प्रथाओं की विद्वत्तापूर्ण व्याख्या करने के बजाय विचाराधीन मामले पर स्पष्ट कानूनी प्रावधानों को लागू करना चाहिए था। जैसा भी हो, देश का कानून आज जिस तरह से मौजूद है।

भारतीय संविधान के भाग 3 में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है। अनुच्छेद 25 में प्रावधान है कि अंतःकरण की स्वतंत्रता तथा धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता। लोक व्यवस्था, सदाचार और स्वास्थ्य तथा इस भाग के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी व्यक्तियों को अंतःकरण की स्वतंत्रता तथा धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का समान रूप से हक होगा। इस अनुच्छेद की कोई बात किसी विद्यमान कानून के प्रवर्तन पर प्रभाव नहीं डालेगी। साथ ही राज्य को कोई कानून बनाने से नहीं रोकेगी। किसी भी आर्थिक, वित्तीय, राजनीतिक या अन्य धर्मनिरपेक्ष गतिविधि को विनियमित या प्रतिबंधित करना जो धार्मिक अभ्यास से जुड़ी हो सकती है। साथ ही सामाजिक कल्याण और सुधार या सार्वजनिक प्रकृति की हिंदू धार्मिक संस्थाओं को हिंदूओं के सभी वर्गों और अनुभागों के लिए खोलने की व्यवस्था करना भी इस अधिकार में शामिल है।

हिंदू विवाह वैधता अधिनियम, 1949 हिंदूओं, सिखों और जैनों तथा उनकी विभिन्न जातियों, उपजातियों और संप्रदायों के बीच सभी मौजूदा विवाहों को वैध बनाने के लिए पारित किया गया था। अधिनियम की धारा 2 में ''हिंदू'' की परिभाषा के अनुसार सिख या जैन धर्म को मानने वाले व्यक्ति भी शामिल हैं। उक्त अधिनियम की धारा 3 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सिख और जैन सहित हिंदुओं के बीच कोई भी विवाह किसी अन्य मौजूद कानून, व्याख्या, पाठ, नियम, प्रथा या प्रथा के आधार पर अमान्य नहीं माना जाएगा। इसके बाद 18 मई 1955 को हिंदू विवाह अधिनियम पारित किया गया। यह हिंदुओं में विवाह से संबंधित कानून को संशोधित और संहिताबद्ध करने वाला अधिनियम है।

हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 2 के प्रावधानों के अनुसार उच्च न्यायालय ने कहा कि इस प्रकार, हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधान उन सभी व्यक्तियों पर लागू होते हैं, जो धर्म से बौद्ध, जैन या सिख हैं। धारा 2 की उपधारा (3) जैन समुदाय के सदस्यों के लिए हिंदू विवाह अधिनियम की प्रयोज्यता को पुष्ट करती है। उच्च न्यायालय ने परिवार न्यायालय के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से विद्वान अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश द्वारा कानून के इन स्पष्ट प्रावधानों पर सही परिप्रेक्ष्य में विचार नहीं किया गया। सीडब्ल्यूसी बनाम चंपा कुमारी सिंधी के मामले में, (1972) 1 एससीसी 508 में रिपोर्ट किया गया, इस प्रश्न पर विचार करते समय कि क्या 'जैन अविभाजित परिवार' को 'हिंदू अविभाजित परिवार' में शामिल किया गया है।

उच्च न्यायालय के समक्ष मुख्य तर्क यह है कि यद्यपि हिंदू कानून जैनियों पर लागू होता है, सिवाय इसके कि इस कानून में रीति-रिवाजों के अनुसार बदलाव किया जाता है, जैन उसी तरह हिंदू नहीं बन जाते जैसे बंबई के खोजा और कच्छी मेमन और गुजरात के सुन्नी बोराह आदि हिंदू नहीं माने जा सकते, हालांकि हिंदू कानून उन पर विरासत और उत्तराधिकार के मामलों में लागू होता है। इसके अलावा, हिंदू धर्म में ईसाई और इस्लाम में धर्मांतरित हिंदू और हिंदू धर्म से असहमत लोग शामिल नहीं है, जिन्होंने खुद को अलग-अलग समुदायों या संप्रदायों में संगठित किया है, जिनके धार्मिक रीति-रिवाज शास्त्रों के सिद्धांतों से इतने अलग हैं कि उन्हें हिंदू नहीं माना जा सकता।

निर्धारण का वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या अविभाजित परिवार शब्दों से पहले हिंदू शब्द का अर्थ यह है कि अविभाजित परिवार उन लोगों का होना चाहिए जो हिंदू धर्म को मानते हैं, या जिन पर हिंदू कानून लागू होता है, या जो हिंदू धर्म को न मानने के बावजूद न्यायिक निर्णयों और विधायी व्यवहार द्वारा हिंदू अविभाजित परिवार के रूप में माने जाते हैं। उपरोक्त दृष्टिकोण को जैन इतिहासकारों और लेखकों द्वारा चुनौती दी गई है। यह माना जाता रहा है कि जैन हिंदुओं से बिल्कुल अलग है। उनकी एक अलग कानून संहिता है, जिसे दुर्भाग्य से अदालतों के ध्यान में नहीं लाया गया है। बोब्बलदी गाटेप्पा बनाम बोब्बदली एराम्पा प्रकरण में खण्डपीठ का फैसला सुनाते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश कुमारस्वामी शास्त्री ने विपरीत दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि यदि मामला एकीकृत होता तो वह यह मानने के लिए इच्छुक होते कि आधुनिक शोध से पता चला कि जैन हिंदू असंतुष्ट नहीं थे बल्कि जैन धर्म की उत्पत्ति और इतिहास स्मृतियों और टिप्पणियों से बहुत पहले का था, जो हिंदू कानून और व्यवहार के मान्यता प्राप्त अधिकारी थे।

न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी एवं संजीव एस. कलगांवकर की खंडपीठ ने पन्ना लाल बनाम सीताबाई का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति हिदायतुल्लाह ने डिवीजन बेंच के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यह तर्क देने में बहुत देर हो चुकी है कि कानून के उद्देश्यों के लिए जैन शब्द को हिंदू में शामिल नहीं किया गया है। हिंदू कानून के साथ-साथ बेस्ट और बुहलर के हिंदू कानून (चौथा संस्करण), गोपालचंद्र सरकार के हिंदू कानून (सातवां संस्करण) और हरि सिंह गौर के हिंदू कोड (चौथा संस्करण) के अलावा इस मुद्दे पर अग्रणी मामलों का भी हवाला दिया। ये सभी स्वीकृत प्राधिकारी हैं और हिंदू कानून पर उनके कार्यों में निहित बयानों से ही नहीं बल्कि तय मामलों से भी जो निष्कर्ष निकाला गया वह यह था कि जैनियों को कानून के उद्देश्यों के लिए हिंदू माना जाना चाहिए। हालांकि वे रूढ़िवादी हिंदू धर्म के कुछ सिद्धांतों से असहमत प्रतीत होत हैं। नागपुर मामले में जिस प्रष्न पर विचार किया जा रहा था, वह यह था कि क्या हिंदू महिला संपत्ति अधिकार अधिनियम, 1937 जैनियों पर भी लागू होना चाहिए या हिंदूओं पर भी। इसी संबंध में यह चर्चा हुई कि जैन किस हद तक हिंदू कानून के अंतर्गत आते हैं या उन्हें उस कानून के उद्देश्यों के लिए हिंदू माना जाना चाहिए।

राम महिमा

डॉ. सत्येंद्र सिंह नरवरिया

लेखक संस्कृति मंत्री के ओएसडी हैं।

धर्म, मर्यादा और राष्ट्र चेतना की पुर्नस्थापना

जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ा है, तब-तब धर्म की पुर्नस्थापना हेतु ईश्वर ने अवतार लिया। त्रेता युग में भगवान विष्णु ने राम के रूप में अवतार लिया और संपूर्ण मानवता को मर्यादा, संयम और धर्म की शिक्षा दी। रामनवमी, उनके दिव्य प्राकट्य की स्मृति का दिन, राम नवमी केवल एक धार्मिक पर्व न होकर, एक वैचारिक आंदोलन जैसा बन चुका है- विशेषकर तब, जब समाज मूल्यहीनता, असहनशीलता और असंतुलन की ओर अग्रसर हो रहा हो।

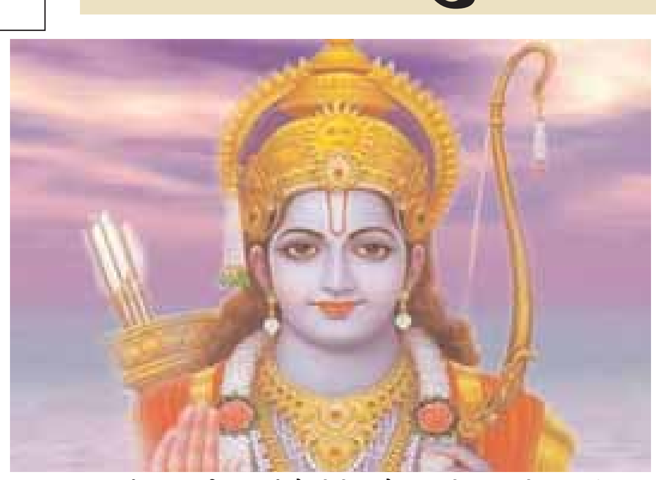

श्रीराम का जीवन व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला है। वह राजा होकर भी प्रजा के सेवक हैं, योद्धा होकर भी विनम्र हैं, और पति, पुत्र, भ्राता, मित्र, हर संबंध में मर्यादा की पराकाष्ठा हैं। आज के संदर्भ में, जब पारिवारिक ताने-बाने टूट रहे हैं, जब रिश्ते स्वार्थ के तराजू पर तौले जाते हैं, तब राम का जीवन यह सिखाता है कि त्याग, कर्तव्य और प्रेम में ही सच्चे संबंधों की नींव है। रामराज्य का अर्थ केवल एक धार्मिक कल्पना नहीं है, बल्कि वह आदर्श शासन प्रणाली है जिसमें राजा प्रजा के कल्याण हेतु उत्तरदायी होता है, नीति और न्याय सर्वोपरि होते हैं, शासन सेवक बनकर उभरता है, अधिकार नहीं। आज जब राजनीति केवल सत्ता के लिए संघर्ष बन गई है, तब श्रीराम का आदर्श हमें याद दिलाता है कि राजा का धर्म प्रजा की भलाई में निहित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत लाभ में।

युवाओं के लिए श्रीराम का चरित्र आत्मबल, संयम और उद्देश्य की स्पष्टता का आदर्श है। वे सिखाते हैं कि केवल विद्या ही नहीं, बल्कि सदाचार, सहनशीलता और विवेक आवश्यक हैं। आधुनिक शिक्षा पद्धति यदि श्रीराम जैसे चरित्रों से जुड़ जाए, तो मानसिक और नैतिक विकास संतुलित रूप से हो सकता है।

रामनवमी भारतीय संस्कृति का उत्सव है यह स्मरण कराता है कि हमारा अतीत केवल गौरवशाली ही नहीं, बल्कि मार्गदर्शक भी है। रामकथा केवल एक कहानी नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति है, जो हर पीढ़ी को धर्म और जीवन जीने की कला सिखाती है। आज समाज जिन चुनौतियों से जूझ रहा है जैसे नैतिक पतन, हिंसा, पर्यावरण संकट, पारिवारिक विघटन उनमें श्रीराम का जीवन प्रकाश बनकर उभरता है- जब राम वन में गए, तब उन्होंने प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश दिया। जब उन्होंने विभीषण को शरण दी, तो 'शरणागत वत्सलता' का आदर्श स्थापित किया और जब उन्होंने सीता की अग्निपरीक्षा ली, तो उन्होंने एक राजा के दायित्व और व्यक्ति के द्वंद्व को दर्शाया। यह सारे प्रसंग आज के संवैधानिक, सामाजिक और नैतिक विमर्शों से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। अतः रामनवमी केवल पर्व नहीं, विचार है, रामनवमी केवल एक तिथि नहीं, यह एक चेतना है जो हर युग में आवश्यक है। वर्तमान युग में इसकी प्रासंगिकता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि हम तकनीकी विकास की दौड़ में मानवीय मूल्यों को भूलते जा रहे हैं। ऐसे समय में राम एक पुकार हैं धर्म की, मर्यादा की, न्याय की और करुणा की। आज हमें केवल 'जय श्रीराम' कहने की नहीं, बल्कि 'जियो श्रीराम' का अभ्यास करने की आवश्यकता है। 'राम वही नहीं जो मंदिर में विराजते हैं, राम वह भी हैं जो जीवन में उतरते हैं।'

राम : प्रेम विश्वास और भरोसे का नाम

राम महिमा

सीमा देवेन्द्र

लेखक साहित्यकार हैं।

राम तत्व इस चराचर ब्रम्हांड में सर्वत्र व्याप्त है क्योंकि राम ही जीवन है राम ही सद्गति है। इसलिए जप तप पूजा पाठ न भी कर सको तो राम के नाम का ही उठते बैठते सुमिरन कर लेने मात्र से मनुष्य का उद्धार हो सकता है। राम प्रेरणा है राम एक विचार धारा है। कहने को दो अक्षर का ये छोटा सा नाम है लेकिन पूरी की पूरी सृष्टि समेटे हुए है। राम से सीखो और राम को गुनो।

राम शक्ति है, राम भक्ति है, राम आस है, राम प्यास है, राम भरोसा है और राम ही विश्वास है। इसलिए भारत का कोटि कोटि जन उनकी ही आँखों से जग को देखता है और इस सृष्टि को निहारता है। और यही कोटि कोटि जनजीवन राम में अपने जन्म की सार्थकता पाता है। भारत आस्था और विश्वास की भाव भूमि है जो हमें सदैव श्रद्धावनत बनाती है। राम निर्विकल्प है। पावन रामचरितमानस के जिस चरित्र को हमारी पीढ़ी दर पीढ़ी सहेजती आ रही है वह हमारी सनातन धर्म और संस्कृति की गौरवशाली थाती है। इसमें राम का चरित करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। आज समाज को उन्ही आदर्शों एकता भरोसे और विश्वास की कमी कचोटती है। जिसे रामचरितमानस जैसे धर्मग्रंथ के जरिए पूरा किया जा सकता है। जिस तरह से भरोसे और विश्वास की जड़ें उखड़ती जा रही है ये दुर्भाग्य ही है कि हम एक दूसरे पर भरोसा नही कर पा रहे हैं। क्योंकि भारत जैसे देश में भावना का समर्पण ही जीवन का बहाव है।

राम नाम कलियुग अधारा
मोह माया नश्वर संसारा

राम की निकटता से ही राम को आत्मसात कर पाना संभव है। सत्य धर्म दया करुणा मर्यादा और क्षमा ये गुण ही राम को श्री राम बनाते है और यही श्री राम का पावन चरित जन जन की अटूट श्रद्धा का कारण है। राम का जीवन कहता है कि 'हमारा ध्यान लक्ष्यों पर केंद्रित होना चाहिए'। हार कर लक्ष्यों को ना छोड़े। ईमानदारी से की गई मेहनत और परिश्रम से जरूर सफलता मिलती है। राम ईश्वरीय प्रेम और भक्ति के प्रतीक है जिन्हे पूर्ण पुरूष मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में पूजा जाता है।

राम का अर्थ है सब में रमा हुआ। राम तुममें भी है राम मुझमें भी है सभी जीव मात्र में राम है। ग़रीब अमीर अपंग लाचार बच्चे बूढ़े सभी में राम है। यहां तक कि वृक्ष पेड़ पौधे लता पुष्प सहित राम कई रूपों में हमारे बीच है बस हमारे पास वो दिव्य दृष्टि नही है। और ये दिव्य दृष्टि हमें भक्ति से ही प्राप्त हो सकती है। एक राम दूसरे राम को दुख कैसे दे सकता है। इसलिए कोई एसा काम नही करो जिससे अन्यों को दुख पहुंचे सभी से प्रेम करो प्रेम ही राम है। जो सुख दे शांति दे प्यार दे वो राम है। ईश्वर ने इन सभी गुणों के साथ मानव रूप में जन्म लिया इसीलिए राम अनुकरणीय है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

स्वास्थ्य के प्रति करना होगा जागरूक

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पड़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरुआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरुआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है। ये बीमारियां बड़ी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं। ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार हो रही है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। वहीं महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है।

भारत में इलाज पर अपनी जेब से खर्च करने वाले पीड़ित लोगों की संख्या ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भारत की तुलना में इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से अधिक खर्च करने वाले लोगों का देश की कुल जनसंख्या में प्रतिशत श्रीलंका में 2.9 फीसदी, ब्रिटेन में 1.6 फीसदी, अमेरिका में 4.8 फीसदी और चीन में 17.7 फीसदी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी भी बहुत से लोग ऐसी बीमारियों से मर रहे है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आबादी का 3.9 फीसदी यानी 5.1 करोड़ भारतीय अपने घरेलू बजटा का एक चौथाई से ज्यादा खर्च इलाज पर ही कर देते हैं। जबकि श्रीलंका में ऐसी आबादी महज 0.1 फीसदी है, ब्रिटेन में 0.5 फीसदी, अमेरिका में 0.8 फीसदी और चीन में 4.8 फीसदी हैं। इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा खर्च करने वाली आबादी का वैश्विक औसत 11.7 फीसदी है। इनमें 2.6 फीसदी लोग अपनी आय का 25 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इलाज पर खर्च करते हैं और दुनिया के करीब 1.4 फीसदी लोग इलाज पर खर्च करने के कारण ही अत्यंत गरीबी का शिकार हो जाते हैं।

देश के ग्रामीण अंचल में जब तक सही व समुचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पायेगी तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य की योजना पूरी नहीं हागी। आज देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा की स्थिति बड़ी भयावह है। आये दिन समाचार पढ़ने को मिलते हैं कि एम्बुलेन्स के अभाव में मृतक को साईकिल पर बांधकर घर तक लाना पड़ता है। गांवो में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में लोगों को तांत्रिको के चक्कर लगाते देखा जा सकता है। निजी चिकित्सक भी कमाई के चक्कर में शहरों में ही काम करना पसन्द करते हैं। जब तक गांवो की तरफ ध्यान नहीं दिया जायेगा तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य का सपना पूरा नहीं हो पायेगा।

देशभर के विभिन्न राज्यों में करोड़ों रुपए की ठगी कर चुका है गिरोह

नकली सोने की गिन्नी बेचकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। बीजादेही पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली सोने की गिन्नी बेचकर देशभर में करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय संगठित ठग गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। यह ठग गिरोह देश के विभिन्न राज्यों में लोगों को निशाना बनाकर करोड़ों रुपए की ठगी कर चुका है। इस कार्रवाई में पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया हैं। रविवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में गिरोह का पर्दाफाश करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी ने बताया कि 5 अप्रैल को थाना बीजादेही क्षेत्रांतर्गत ग्राम झिरियाडोह के जंगल में कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ग्रामीणों को नकली सोने की गिन्नियां असली बताकर भारी कीमत पर बेचे जाने की सूचना मुखबिर के माध्यम से प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर थाना बीजादेही में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(2), 338, 336(3), 3(5) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। सूचना संकलन, तकनीकी विश्लेषण एवं निगरानी के आधार पर थाना बीजादेही पुलिस द्वारा 6 अप्रैल को रुप सिंह पिता गेंद लाल कलमे निवासी ग्राम झिरनापुरा, थाना सिवनी मालवा और अजीत पारधी पिता लेहसुनचंद पारधी निवासी सिवनी मालवा, को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से नकली सोने की 240 गिन्नियां, नकली सोने के आभूषण 02 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पूछताछ में हुआ बड़ा खुलासा

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे एक संगठित ठग गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं, जो मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में भोले-भाले, ग्रामीण व नागरिकों को ठगने का कार्य करते हैं। यह गिरोह सुनियोजित रणनीति के तहत बस स्टैंड, मंदिर परिसर, ट्रेन यात्रा आदि स्थानों पर संपर्क बनाते हैं और यह दावा करते हैं कि उनके खेत में या रास्ते में उन्हें सोने की गिन्नियां मिली हैं, जिन्हें वे पुलिस तथा शासन की नजर से चोरी-छिपे बाजार मूल्य से आधे दाम में बेचना चाहते हैं। भरोसा दिलाने के लिए शुरुआत में एक असली सोने की गिन्नी देकर उसे जांच कराने के लिए प्रेरित किया जाता है। पीड़ित द्वारा गिन्नी असली पाए जाने पर सौदा तय किया जाता है और बाद में उन्हें नकली गिन्नियां सौंप दी जाती हैं।

सौदे के चुनते थे ऐसी जगह, जहां मोबाइल नेटवर्क नहीं: ठग गिरोह के सदस्य लोगों को सौदे के लिए बैतूल-हरदा-नर्मदापुरम जिला के सीमावर्ती जंगलों, निर्जन स्थलों पर बुलाते हैं, जहाँ मोबाइल नेटवर्क अथवा अन्य संचार सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती। कई पीड़ित बदनामी और भय के कारण सामने नहीं आते हैं और मामला पुलिस तक नहीं पहुंचता। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के मार्गदर्शन में अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

मामले के खुलासे में इनकी रही सराहनीय भूमिका

ठग गिरोह के सदस्यों को पकडने का श्रेय थाना बीजादेही पुलिस की सतर्कता, प्रभावी सूचना तंत्र एवं त्वरित कार्यवाही को जाता है। आरोपियों की गिरफ्तारी में एसडीओपी शाहपुर मयंक तिवारी, उनि. रवि शाक्य थाना प्रभारी, बीजादेही, सउनि जीपी बिल्लोरे, प्रधान आरक्षक परसराम देवड़ा, आरक्षक मिथिलेश उइके तथा साइबर सेल की विशेष भूमिका रही। बैतूल पुलिस अधीक्षक निश्चल एन. झारिया ने ने आमजन से अपील की है कि वे अपराधियों द्वारा ऐसे किसी भी प्रलोभन में न आएं एवं इस प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। ऐसे अपराधों की सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस तत्परता से कार्रवाही करेगी।

गणगौर वैवाहिक और दाम्पत्य सुख का प्रतीक

गणगौर उत्सव उत्साहपूर्वक संपन्न

बैतूल। राजस्थानी महिलाओं द्वारा 16 दिन तक मनाए जाने वाले गणगौर उत्सव का समापन समाज की महिलाओं द्वारा उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ। यह उत्सव श्रीमती तारा माहेश्वरी के निवास पर भग्गुढाना में विगत 50 वर्षों से स्वनिर्मित प्रतिमाओं का पूजन कर उत्सव मनाया जाता है। इस मौके पर तारा माहेश्वरी ने बताया कि गणगौर दोनों के मिलन का जश्न मनाता है जिसे वैवाहिक और दाम्पत्य सुख का प्रतीक माना जाता है। गणगौर हिंदू कैलेंडर के पहले महीने चैत्र के महीने में मनाया जाता है। यह वसंत, फसल, वैवाहिक निष्ठा, वैवाहिक आशीर्वाद और संतानोत्पत्ति का उत्सव है। गण भगवान शिव का पर्याय है और गौरी या गौर भगवान शिव की पत्नी देवी पार्वती का प्रतीक है। गणगौर इन दोनों के मिलन का उत्सव मनाता है और वैवाहिक सुख का प्रतीक है। इस अवसर पर तारा माहेश्वरी, सत्यभामा माहेश्वरी, नीलू माहेश्वरी, मधु माहेश्वरी, संगीता माहेश्वरी, रेखा माहेश्वरी, अर्चना माहेश्वरी, रमा माहेश्वरी, संगीता माहेश्वरी, रेखा माहेश्वरी, प्रीति माहेश्वरी, राधिका माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थी।

चोरी हुई ट्रॉली 20 दिन बाद गांव से दूर छोड़ी

बैतूल। 20 दिन पहले चोरी हुई ट्रॉली चोर गांव से एक किमी दूर वापस छोड़ गये। दरअसल बैतूल बाजार थाना क्षेत्रातंर्गत ग्राम कोलगांव के संकुल प्राचार्य दिलीप काले की ट्राली खेत में खड़ी थी। जहां से अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। जिसकी शिकायत दिलीप काले द्वारा बैतूल बाजार थाने में दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद चोरों ने ट्रॉली गांव से करीब एक किमी दूर लाकर छोड़ दी और भाग गये।

महानवमी पर श्री माता मंदिर में हुआ विशेष पूजन

बैतूल। शंकर नगर स्थित श्री माता मंदिर में महानवमी के अवसर पर मंदिर में स्थापित सभी पीठों की विधिवत पूजा संपन्न की गई। पूजन कार्यक्रम श्रीमती सावित्री हारोडे द्वारा सम्पन्न किया गया। महानवमी पर माता रानी का आकर्षक श्रृंगार किया गया, पूजा के उपरांत कन्या पूजन एवं महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर समिति के युवा सदस्यों द्वारा महाआरती एवं भंडारा वितरण का कार्य किया गया। समिति के अध्यक्ष डब्बू तलेड़ा ने रामनवमी के महापर्व की सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं तथा अखंड ज्योत परिवार, सभी दानदाताओं एवं सहयोगी परिवारों के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री तलेड़ा ने जानकारी दी कि आगामी हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष झांकी सजाई जाएगी एवं विशाल महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम भी रखा जाएगा।

जिला स्तरीय मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर आज

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल बैरागढ़ भोपाल के सहयोग से जिला स्तरीय मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन 7 अप्रैल दिन सोमवार को दोपहर 12 बजे से 3 तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभात पट्टन में आयोजित किये जाएंगे। प्रहलाद साहू गोपाल साहू अजय जीतपुरे ने बताया कि जिन मरीजों की आंख में मोतियाबिंद पाया जाएगा उन सभी मरीजों के ऑपरेशन चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल बैरागढ़ भोपाल में किए जाएंगे। मरीजो को आवास, दवाइयां एवं परिवहन की व्यवस्था निशुल्क की जाएगी। सभी मरीजों को जांच स्थल से बस द्वारा चिरायु मेडिकल कॉलेज भोपाल ले जाया जाएगा एवं ऑपरेशन के बाद पुनः जांच स्थल पर लाया जाएगा जहां से वे अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। शिविर का लाभ लेने के लिए मरीजों को अपने साथ आधार कार्ड या आयुष्मान कार्ड लाना जरूरी है। आयोजन समिति में जिलेवासियों से मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया है।

भारत स्वाभिमान न्यास ने रामनवमी और संन्यास दीक्षा दिवस पर किया वैदिक यज्ञ

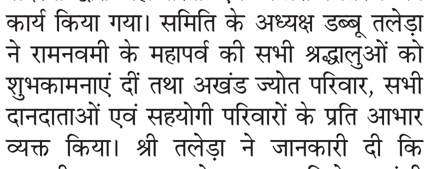

बैतूल। भारत स्वाभिमान न्यास और पतंजलि योग समिति द्वारा रविवार को रामनवमी के पावन अवसर पर जिला कार्यालय समेत जिले की सभी तहसीलों में विशेष योग सत्रों और वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर को विशेष रूप से स्वामी रामदेव के संन्यास दीक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े ने बताया कि स्वामी रामदेव महाराज ने रामनवमी के दिन ही संन्यास दीक्षा ली थी और तभी से उन्होंने योग, यज्ञ और आयुर्वेद के माध्यम से एक स्वस्थ, समृद्ध और संस्कारित भारत के निर्माण हेतु निःशुल्क योग कक्षाओं की शुरुआत की थी। यह अभियान आज भी निरंतर जारी है।

स्वास्थ्य शिविर में 225 लोगों का हुआ स्वास्थ्य जांच

बैतूल। कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के ऑफिसर क्लब पाथाखेड़ा में मां वैष्णवी सेवा समिति के तत्वावधान में उबुदु हॉस्पिटल भोपाल व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोडाडोंगरी द्वारा विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. मंडल सुब्रोतो (हृदय रोग विशेषज्ञ इंटरनेशनल) कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ. रितेश श्रीवास्तव, डॉ संजीव गुप्ता, डॉ. विश्वास गुप्ता, डॉ. विशाल कडोले मेडिकल आफिसर,स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनु गोंड मेडिकल आफिसर, डॉ.माधुरी अखड़े, डॉ. रश्मि ठाकुर व अन्य डॉक्टरों की टीम द्वारा जांच किया गया। डॉक्टरों की टीम द्वारा हृदय रोगियों का निःशुल्क ई.सी.जी की व ब्लड जांच व स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉक्टरों की टीम द्वारा 147 मरीजों का ई.सी.जी किया गया व लगभग 125 मरीजों का ब्लड जांच किया गया। निःशुल्क दवाईयां भी रोगियों दी गई। मां वैष्णवी सेवा समिति के अध्यक्ष शिवा गुप्ता ने बताया कि इस तरह के कैंप हमेशा ही एक-दो माह के बीच-बीच में लगाया जाएगा। जिससे मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण हो सके व उन्हें सही उपचार समय पर मिल सके। समिति के उपाध्यक्ष डॉ. कैलाश मालवीय व संजय मालवी ने बताया कि यह निःशुल्क आयोजन में सभी मरीजों को इस कैंप के माध्यम से उचित जांच करवानी चाहिए, जिससे सही समय ईलाज हो सके। शिविर में महिलाओं और पुरूषों की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। उन्होने अपने स्वास्थ्य की विभिन्न जांचे करवाई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगो को स्वस्थ्य जीवनशैली अपनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए और दैनिक खान-पान की आदतों के स्वास्थ्य पर पडने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर के संचालन में विशेष सहयोगी अध्यक्ष शिवा गुप्ता, उपाध्यक्ष संजय मालवी, सचिव डॉ. कैलाश मालवीय, नागेंद्र निगम, संजय अग्रवाल राधेश्याम सुखराम वर्मा, मोहन कड़वे, नरेंद्र उघडे, उज्जवला पान्से, बिनी राय, रहे।

जल्द लगेगा आंखों का जांच शिविर

कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा में डॉक्टरो की टीम व मां वैष्णवी सेवा समिति के अध्यक्ष व समिति के लोगो ने बैठक कर पुन निःशुल्क आंखो की जांच व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किये जाने पर सहमति जताई। कोयलांचल क्षेत्र में आंखों के मरीज ज्यादा होने के कारण इस शिविर का आयोजन जल्द किये जाने पर विचार विमर्श किया गया।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक में नव पेंशनर्स का हुआ स्वागत

बैतूल। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन बैतूल की मासिक बैठक 5 अप्रैल को सदर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रामचरण साहू ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधाकर पंवार एवं नागरिक बैंक अध्यक्ष अतीत पंवार विशेष रूप से उपस्थित रहे। नवरात्र अष्टमी के पावन अवसर पर दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती एवं भारत माता की पूजा अर्चना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सुरेश धोटे ने मां सरस्वती एवं मां जगदम्बा की स्तुति प्रस्तुत की। इसके पश्चात मंच द्वारा मुख्य अतिथियों का शाल-श्रीफल से आत्मीय स्वागत किया गया। पिछले माह सेवा निवृत्त हुए पेंशनर्स बृजलाल कोड़ले, राजेश बाजपेई, आनंद कुमार साहू, सुखदास अतुलकर, कलीराम सातपुते, कैलाश कुमार यादव एवं कुंवरलाल परिहार का प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन एवं एचडीएफसी बैंक प्रबंधन ने संयुक्त रूप से सम्मान किया। सभी को शाल, श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र भेंट किए गए। वरिष्ठ पेंशनर्स श्रीराम पांसे (मध्यप्रदेश विद्युत मंडल) एवं कैप्टन लक्ष्मणराव पंवार (भारतीय सेना) का भी विशेष रूप से स्वागत किया गया। एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य कैलाश चंद्र मालवीय ने नवनियुक्त पेंशनर्स साथियों को सदस्यता ग्रहण कराई।

जल संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं नागरिक : केंद्रीय मंत्री श्री उईके

माचना नदी के दामादैयात घाट और खेलड़ी ग्राम में चलाया गया नदी स्वच्छता अभियान

बैतूल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान एवं अमृतं जलम अभियान के अंतर्गत बैतूल जिले में जल स्त्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण के लिए जनभागीदारी से एक प्रेरणादायी पहल की गई। जिले के जयप्रकाश वार्ड स्थित माचना नदी के दामादैयात घाट पर एक वृहद नदी स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों से लेकर आम नागरिकों तक सभी ने बढ़-चढक़र भागीदारी की। इस विशेष अभियान में भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री एवं बैतूल सांसद डीडी उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल तथा नगरपालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर उपस्थिति रही। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उईके ने जल संकट की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 185 मरीजों को मिला आयुष उपचार

15 विशेषज्ञों ने दी सेवाएं, हिवरखेड़ी की टीम ने निभाई प्रमुख भूमिका

बैतूल। भारत भारती आवासीय विद्यालय परिसर जामठी में निःशुल्क कृत्रिम लैंस प्रत्यारोपण एवं आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 185 लाभार्थियों ने आयुर्वेद और होम्योपैथी औषधियों का लाभ उठाया। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आयुष विभाग की ओर से किया गया, जिसमें आयुष ग्राम हिवरखेड़ी की टीम ने प्रमुख भूमिका निभाई। शिविर में आए लाभार्थियों को विभिन्न रोगों जैसे आमबात, संधिवात, ज्वर, चर्म रोग, उदर रोग, श्वास रोग आदि का निःशुल्क उपचार प्रदान किया गया। नेत्र रोगियों के लिए विशेष नेत्र शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें जिला आयुर्वेद चिकित्सालय बैतूल की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रीना चौकीकर ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर के संचालन के लिए डॉ. लक्ष्मी किशनानी एवं डॉ. विजय तांडिलकर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था। इनके साथ डॉ. विशाल वर्मा, डॉ. शिल्पा घोटे, डॉ. रजनी बडोड़े, डॉ. युवराज सूर्यवंशी, डॉ. रवीना लहरपुरे सहित कुल 15 स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी सेवाएं दीं। आयुर्वेदिक औषधियों से उपचारित 119 मरीजों ने लाभ प्राप्त किया जबकि होम्योपैथिक औषधियों से 66 लाभार्थी लाभान्वित हुए। इस प्रकार कुल 185 लोगों ने इस शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दृष्टिगत शिविर में योग की भी विशेष प्रस्तुति दी गई। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पाढर से आए योग शिक्षक वीरेंद्र सिंह धुर्वे एवं योग सहायक भूपेंद्र देवड़े ने उपस्थित लाभार्थियों को सूक्ष्म योग क्रियाएं, प्राणायाम एवं विभिन्न योगासन सिखाए। इस शिविर का सफल आयोजन स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास साबित हुआ।

जिलेभर में धूमधाम से मनाई चैत्र नवरात्र की नवमी और भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव

जय-जय श्रीराम के जयघोषों से गुंजायमान हो उठा शहर

बैतूल। जिलेभर में चैत्र नवरात्रि और भगवान श्रीराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शहर में भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा पर जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जिधर से भी शोभायात्रा निकलती, भगवान श्रीराम के जयकारों से वातावरण गूंज उठता। शोभायात्रा में शामिल झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ मुख्य मार्गो से होकर निकाली गई। राम लला की अगवानी के लिए मार्ग को दुल्हन की तरह सजाया गया था। भगवा ध्वज व बैनर लगाए गए। वहीं नवमी को लेकर देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। मंदिर में हवन पूजन किया गया। इसके साथ ही श्रीराम मंदिरों में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। कोठीबाजार स्थित बडा श्रीराम मंदिर, छोटा श्रीराम मंदिर, पुलिस लाइन टैगोर वार्ड स्थित मंदिर, सहित देवी मंदिरों में भी दिन भर पूजा अर्चना करने वालों की भीड़ लगी रही। कोठीबाजार स्थित प्रसिद्ध बडा श्रीराम मंदिर और छोटे श्रीराम मंदिर में सुबह से ही भक्तों ने पूजा अर्चना की। आरती में बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। माताजी को भोग लगाने के लिए महिलाओं ने विशेष पकवान बनाए थे, जिसका माता को भोग लगाने के पश्चात कन्या भोजन कराया।

हुए भंडारे, पेयजल की व्यवस्था

रामभक्तों के लिए संगठनों और श्रद्धालुओं द्वारा शीतल पेयजल सहित खानपान की व्यवस्था की थी। वहीं मंदिरों में भी भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। जब राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी की शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से निकली तो श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। इधर पुलिस व प्रशासन ने भी शोभायात्रा को लेकर व्यापक प्रबंध किए थे। ताकि शोभायात्रा के दौरान कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। इसके लिए शहर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

हनुमान मंदिर में मनाया जन्मोत्सव

हनुमान दद्दा मंदिर टिकारी में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण जी की प्रतिमा की पूजा अर्चना की गई। हवन पूजन के साथ ही आरती की गई। मंदिर के पुजारी ने बताया कि सुबह से ही श्रद्धालुओं ने आस्था और श्रद्धा के साथ भगवान की पूजा अर्चना की। उन्होंने बताया कि टिकारी वाले हनुमान मंदिर को लेकर श्रद्धालुओं में बहुत ही आस्था है। ऐसी मान्यता है कि हनुमान दद्दा के चरणों में अर्जी लगाने पर मन्नत पूरी होती है और इसके बाद श्रद्धालु उनका आभार व्यक्त करने के लिए उनकी पूजा अर्चना करने आते हैं।

रघुवंशी समाज ने निकाली शोभायात्रा

श्रीराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर रघुवंशी समाज ने श्रीराम जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर शहर में भव्य वाहन शोभायात्रा निकाली जाएगी। वाहन रैली में श्रीरामजी की झांकियां, भजनों, ध्वजों और धार्मिकता से परिपूर्ण वातावरण की झलक देखने को मिली। शोभायात्रा का शुभारंभ प्रातः 8.30 बजे न्यू बैतूल ग्राउंड स्थित हनुमान मंदिर से किया गया। यहां से यह शोभायात्रा लल्ली चौक, बस स्टैंड, कारगिल चौक, रेलवे स्टेशन, बाबू चौक, कॉलेज चौक, कमानी गेट, दादावाडी होते हुए रघुवंशी मंगल भवन तक पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत की तैयारी की गई।

भोपाल में निकली भगवान श्रीराम की शोभायात्रा

मंदिरों में हुई विशेष सजावट; दिन भर हुई पूजा-अर्चना, भंडारों का भी हुआ आयोजन

भोपाल (नप्र)। भोपाल में रामनवमी पर धूमधाम से मनाया गया। रविवार को इस मौके पर शहर के विभिन्न मंदिरों और धार्मिक-सामाजिक संगठनों द्वारा विशेष तैयारियां की गई। विशेष तौर पर मंदिरों को सजाया गया है। भव्य शोभायात्राओं का आयोजन किया गया। तलैया के श्रीराम मंदिर, बिरला मंदिर, भेल का राम मंदिर, आनंद नगर का राम मंदिर सहित अन्य मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और भंडारे का आयोजन हुआ।

श्रीराम जन्मोत्सव की आरती और भंडारा हुआ

तलैया स्थित श्रीराम मंदिर में मुख्य आयोजन हुआ। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं. ओम मेहता और महामंत्री प्रमोद चुघ ने बताया कि 6 अप्रैल को दोपहर 12 बजे भये प्रकट कृपाला दीन दयाला के जयघोष के साथ श्रीराम जन्मोत्सव की आरती की गई। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इससे पहले 5 अप्रैल को महाष्टमी पर पूर्णाहुति, हवन और कन्या भोज का कार्यक्रम किया गया।

पुराने शहर में भव्य शोभायात्रा: पुराने शहर में घोड़ा नक्कास चौराहे से शाम 7 बजे शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा मां कर्मा देवी रोड, छोटे भैया कॉर्नर, जुमेराती गेट, लोहा बाजार, सुभाष चौक, लखेरापुरा से होते हुए भवानी चौक सोमवारा पर समाप्त हुई। संस्था के अध्यक्ष अवनि शर्मा ने बताया कि यह 13वां वर्ष है। शोभायात्रा में हनुमान चालीसा की प्रस्तुति, भगवान श्रीराम लला की आकर्षक प्रतिमा, 101 भगवा ध्वज, गोस्वामी डीजे, ढोल, बैंड, दुलदुल घोड़ी और भगवान गणेश की बग्गी के साथ धार्मिक झांकियां शामिल थीं।

कोलार में अखंड रामायण और शोभायात्रा

कोलार के श्री सिद्ध रुद्रेश्वर हनुमान मंदिर, शिरडीपुरम में मां वैष्णोदेवी उत्सव एवं जनकल्याण समिति द्वारा रामनवमी पर अखंड रामायण और जन्मोत्सव मनाया जाएगा। समिति अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने बताया कि जन्मोत्सव के बाद प्रसाद वितरण हुआ। वहीं, सिग्नेचर रेजिडेंसी से शुरू होने वाली शोभायात्रा कोलार के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी और महाआरती के साथ समाप्त हुई।रात 8:30 बजे से नगर भोज का आयोजन होगा, जिसमें वृंदावन के कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

जिले में तुअर फसल उपर्जान के लिए 20 अप्रैल तक करा सकेंगे किसान पंजीयन

तुअर का समर्थन मूल्य 7550 रुपये की दर घोषित

नरसिंहपुर। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत खरीफ वर्ष- 2024 (विपणन वर्ष 2024- 25) में तुअर फसल के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन ई- उपार्जन पोर्टल पर 20 अप्रैल 2025 तक किया जायेगा। इसके लिए राज्य शासन ने तुअर फसल का समर्थन मूल्य 7550 रुपये क्विंटल घोषित किया है। जिले में किसान पंजीयन के लिए 20 केन्द्र निर्धारित किये गये हैं। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नरसिंहपुर ने बताया कि तुअर फसल उपार्जन के लिए किसान करेली तहसील के अंतर्गत सहकारी विपणन संस्था मर्यादित करेली, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित केरपानी- सरसला एवं वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था आमगांवबड़ा में, गाडरवारा तहसील के अंतर्गत सहकारी विपणन संस्था मर्यादित खुलरी, सहकारी विपणन संस्था मर्यादित गाडरवारा, सेवा सहकारी संस्था चीचली, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बोहानी एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित शाहपुर, गोटेगांव तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था मर्यादित करकबेल, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था श्रीनगर एवं प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बरहटा, तेंदूखेड़ा तहसील के अंतर्गत वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था तेंदूखेड़ा, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था डोभी एवं प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बिलगुवा, नरसिंहपुर तहसील के अंतर्गत वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था नरसिंहपुर, सेवा सहकारी संस्था मुगंवानी- पठापिपरिया, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित नयागांव, सेवा सहकारी समिति बचई- करहैया एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित मुर्गाखेड़ा और सांईखेड़ा तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था आड़ेगांव एवं सेवा सहकारी संस्था गाडरवारा को पंजीयन केन्द्र बनायें गये हैं। इसके अतिरिक्त किसान ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व तहसील कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र और एमपी किसान एप के माध्यम से निःशुल्क पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा किसान एमपी ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेंटर- कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र एवं सायबर कैफे में जाकर सशुल्क देकर अपना पंजीयन कर सकते हैं।राज्य शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार उपायुक्त सहकारिता व नोडल अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक तुअर फसल के किसानों के पंजीयन कराये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

म.प्र.में गर्मियों की छुट्टियों का ऐलान... छात्रों को मिलेगा 46 दिन का आराम

- विद्यार्थियों को 46 दिन की गर्मी की छुट्टी
- शिक्षकों को 31 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश
- दशहरा अवकाश 1 से 3 अक्टूबर तक रहेगा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में एक मई से शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए गर्मी की छुट्टी 46 दिन रहेगी। यह एक मई से प्रारंभ होकर 15 जून तक चलेगी। वहीं शिक्षकों को 31 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश मिलेगा। यह एक मई से 31 मई तक रहेगा।

नवरात्र उत्सव में हुई कविता भजनों की प्रस्तुति, वरिष्ठजन परिषद ने मनाया नवरात्र उत्सव

नरसिंहपुर। नवरात्रि के शुभ अवसर पर वरिष्ठ जन परिषद नरसिंहपुर की ओर से राम जानकी मंदिर धनारे कालोनी नरसिंहपुर में नवरात्र उत्सव मनाया गया।पं.धनपत तिवारी यू एस उपाध्याय डा महेश त्रिपाठी गणेश कुमार चतुर्वेदी आर के नेमा प्रेमशंकर राघव ने मां दुर्गा का पूजन किया। पं. रामस्वरूप शर्मा ने मां दुर्गा के नौ रूपों की विवेचना करते हुए मां की आराधना का महत्व बताया। गुरुवर डी डी गोस्वामी सुबोध शर्मा डा केदार गुप्ता डा महेश त्रिपाठी बी एस पटेल सहित अनेक वक्ताओं ने मां का यशोगान करते हुए नवरात्र पर्व पर प्रकाश डाला।ओज कवि अशोक त्रिपाठी ने अपने भावमयी कविता पाठ में मां के स्वरूप को यूं उभारा... मां तू त्रेता की रामायण द्वापर की गीता है, महाभारत की कुंती द्रोपदी, विरहा की सीता है।पं.सी बी शर्मा ने..लाल चुनरिया ओढ़ घंघरिया हाथ में ले तलवार,भवानी आ गई मेरे द्वार भजन से सभी को भावविभोर किया।मदन कुमार श्रीवास्तव ने सुमधुर स्वर में ज्योति जले दिन रात मैया तोरे मंदिर में, गाकर मां को याद किया।मां की आराधना सहित धार्मिक आयोजनों और सत्संग में अपनी नियमित सहभागिता देने बारे वरिष्ठ सदस्य मदन कुमार श्रीवास्तव और रमेश कुमार मेहरा जी का परिषद द्वारा पुष्पमाला शाल श्रीफल से सम्मान और नागरिक अभिनंदन किया गया।संचालन कविवर अशोक त्रिपाठी ने एवं आभार प्रदर्शन अरुण कुमार खरे ने किया। कार्यक्रम में रमेश मेहरा आर के पटवा हरिश्चंद्र साहू डी एस साहू छत्रपाल कोरी नागवंशी जी बी एस मेहरा राजेन्द्र पटेल राजेन्द्र राय प्रभात राय विजय शर्मा भवानी शर्मा आदित्य शर्मा राजेश जाट भुवन पटेल बी एस पटेल बबलू नेमा महेश नेमा के आर नामदेव रामसेवक श्रीवास दिनेश श्रीवास्तव आर के श्रीवास्तव नारायण श्रीवास्तव अशोक सोनी आर के सोनी सहित अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

राष्ट्र प्रथम के भाव को आत्मसात कर मनोयोग से जुटें कार्यकर्ता : दुर्गादास उइके

भाजपा कार्यालय में पार्टी ध्वज फहराकर मनाया 46वॉं स्थापना दिवस

बैतूल। भाजपा पार्टी के 46 वें स्थापना दिवस के सुअवसर पर जिला मुख्यालय विजय भवन में जवाहर वार्ड के बूथ क्रमांक 118 पर पार्टी का ध्वज फहराकर मिष्ठान वितरण किया गया। इसके पश्चात भाजपा कार्यालय मे आयोजित बूथ की बैठक में कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए केन्द्र राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उइके ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसा राजनैतिक दल है जो राष्ट्र प्रथम की भावना को लेकर चलता है। हमारा हर कार्यकर्ता पूरे मनोयोग के साथ राष्ट्रवादी भावना से ओत प्रोत सशक्त भारत के निर्माण में लगा हुआ है। आज के दिन हमें आत्मचिंतन करते हुए अग्रजो के त्याग,तपस्या और बलिदान से प्रेरणा प्राप्त करते हुए पंचनिष्ठा के प्रण को पूरा करने में जुट जाना है। सतत समन्वय से हम प्रतिगामी शक्तियों को हर युद्ध में हरा सकते है। आज धर्म और संस्कृति की स्थापना के लिए प्रभु श्रीराम का अवतरण हुआ था। हमारा हर कार्यकर्ता धर्म की स्थापना के लिए राष्ट्र की संस्कृति के लिए बुजूर्गो के बताए मार्ग पर चल रहा है। जिसके चलते 2047 का भारत विकसित भारत होगा। कार्यकर्ताओ को

संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को नापसंद कर श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पं.दीनदयाल जी ने जनसंघ की स्थापना की तब से आज तक सतत रूप से भाजपा शक्तिशाली हुई है। आज हमने जिले के 1593 बूथो पर पूरे हर्षो उल्लास के साथ पार्टी का 46 वॉं स्थापना दिवस मनाया है। यह हमारे बढते हुए भाजपा परिवार का उदाहरण है। भाजपा के सशक्तिकरण के साथ साथ देश का सशक्तिकरण हुआ है। पिछले 11 वर्षो में भारत विश्व के पटल पर मजबूती से आगे बढते दिखाई दे रहा है। आने वाले दिनो में हम गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत अपना समय संगठन की मजबूती के लिए देगें इस दौरान जल संरचनाओं की स्वच्छता और जन चौपाल का आयोजन भी होगा। यह कार्यक्रम लगातार 13 अप्रेल तक चलेगें और 14 अप्रेल को हम भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर जी की जन्म जयंती हर्सोउल्लास से मनाएगें। कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि हमारे परिवार में सांसद और विधायक नही होते कार्यकर्ता प्रधान होते है।

आपके अथक परिश्रम से ही आज भाजपा केन्द्र सहित कई राज्यो में सरकार चला रही है। हमारी पार्टी देश के मुददो पर काम करने वाली पार्टी है। धारा 370 हटाने के उदाहरण हम देख चुके है अब वक्फ बोर्ड संसोधन भी हमने देखा है। 1952 से 1957 और 1962 तक देश मे एक चुनाव होते थे। आपातकाल के बाद परिस्थितीया बदलते गई और चुनावो मे तालमेंल नही मिला अलग अलग चुनाव होने से फिजुल खर्ची होती है समय की बर्बादी होती हैं देश का विकास रूक जाता है। इसीलिए एक राष्ट्र एक चुनाव की जरूरत है। हमारी सरकार ने गरीबो को पक्की छत दी है और किसानो को सीधा फायदा पहुचांया है। भाजपा आने वाली पीढि की सुरक्षा के लिए देश में जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन कार्यालय मंत्री कृष्णा गायकी ने किया वहीं अंत में आभार जवाहर वार्ड के पूर्व पार्षद सुरेश सावनेर ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुभाष आहूजा, नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर, जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रजापति, रश्मि साहू, जिला मंत्री अतीत पंवार मंचासीन रहे।

युवाओं और संस्थानों ने एक साथ मिलकर किया नरहरियानंद सरोवर सांईखेड़ा तालाब का गहरीकरण

- जल गंगा संवर्धन अभियान जनआंदोलन का ले रहा रूप
- समाज के हर वर्ग के व्यक्ति अभियान में हो रहे शामिल

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान में हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। जल संरक्षण व संवर्धन और जल से जुड़ी हर गतिविधियों में समाज का प्रत्येक व्यक्ति इसमें भाग ले रहा है। धार्मिक, स्वैच्छिक, जनअभियान परिषद, नवांकुर संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन, जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी, युवा, वरिष्ठ नागरिक सहित हर वर्ग के नागरिक इस अभियान में अपनी स्वैच्छा से भागीदारी निभा रहे हैं। यह कार्य मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में जल संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से सांईखेड़ा के नरहरियानंद सरोवर तालाब में जनसहभागिता से स्वच्छता व गहरीकरण का कार्य किया गया। इस मौके पर जन अभियान परिषद सांईखेडा, नवांकुर संस्था तूमडा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति और युवाओं के साथ सभी ने एक साथ मिलकर किया। जन अभियान परिषद द्वारा गांव- गांव जाकर ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से जल संरक्षण व संवर्धन पर संवाद कार्यक्रम के तहत नागरिकों में जागरूक लाई जा रही है। जल संरचनाओं का संरक्षण करने का प्रयास किया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम बम्होरी- तिंदनी में आयोजित हुई जल संगोष्ठी

ग्रामीणों को बताया गया जल का महत्व, हुई विस्तृत चर्चा

नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान जिले में 30 जून तक चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान श्रमदान, संगोष्ठी, दीवार लेखन, स्लोग्न, जल संरक्षण की दिशा में अनेक कार्य किये जा रहे हैं। इसी क्रम में मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में जिले के ग्राम बम्होरी- तिंदनी में जल संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में ग्रामीणों को जल का महत्व बताया गया। संगोष्ठी के दौरान जल संरक्षण व पौधरोपण और अन्य कार्यों के लिए विस्तृत चर्चा की गई। संगोष्ठी में जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर श्री जयनारायण शर्मा ने ग्रामीणों को जल के महत्व व पूर्व में जल संचय, प्रबंधन व तकनीकियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर जल संरक्षण व संवर्धन के लिए तीन चरणों में कार्य करना चाहिए। प्रथम चरण में माह अप्रैल,अगस्त एवं सितंबर में वर्षाकाल के दौरान सघन पौधारोपण और तृतीय में माह नवम्बर, दिसंबर, जनवरी एवं फरवरी में बहते जल को रोकने के लिए बोल्डर चेक, बोरी बंधान, गली प्लग आदि के कार्य किये जायें।

जल संरक्षण की दिशा में दीवार लेखन के माध्यम से दिया लोगों को जागरूकता का संदेश

नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों व पंचायतों में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में दीवार लेखन के माध्यम से नागरिकों को जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। इसी क्रम में मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में परिषद की विकासखण्ड करेली की नवांकुर संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति रमपुरा द्वारा जल संरक्षण व संवर्धन के लिए दीवार श्लोगन लेखन के माध्यम से लोगों को जल के महत्व व उसके समुचित उपयोग का संदेश दिया। साथ ही जल के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रेरित किया गया। नवांकुर संस्था रमपुरा के अध्यक्ष श्री भगवान सिंह लोधी ने बताया कि जिले की 30 नवांकुर संस्थाओं द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य किये जा रहे हैं। इसी तरह पुरानी जल संरचनाओं की साफ- सफाई व उनके जीर्णोद्धार के साथ नवीन जल संरचनाओं का निर्माण तथा जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

8 अप्रैल को मनाई जाएगी अष्टमी, होगी भव्य आरती

नरसिंहपुर। विकासखंड की ग्राम पंचायत रोसरा में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चैत्र नवरात्र पर प्रसिद्ध मां खेरापति मढिया में कलश और खप्पर 61 बारी सहित कुल 93 जवारे की स्थापना मां खेरापति सामूहिक जवारे समिति द्वारा एक अप्रैल को की गई थी। मां खेरापति मढिया में मंगलवार को अष्टमी की पूजा और भव्य आरती की जाएगी। यहां स्थापित की गई दुर्गा जी की प्रतिमा और जवारों की भव्य शोभायात्रा बुधवार 9 अप्रैल को निकली जाएगी। यह शोभायात्रा रोसरा से प्रारंभ होकर रेलवे फाटक होते हुए, स्टेशन, मंडी रोड, अन्य मार्गों और विपतपुरा होकर वापस खेरापति मढिया में सम्पन्न होगी। इसके पश्चात जवारे का विसर्जन मां नर्मदा जी में किया जाएगा। समिति ने जिले के सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में आकर धर्मलाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

जिले के किसानों से नरवाई- फसल अवशेष नहीं जलाने की अपील

फसल अवशेष के फायदे

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिले के किसानों से नरवाई- फसल अवशेष/ पराली नहीं जलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता कम होती है और पर्यावरण प्रदूषण होता है। मिट्टी के सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं। इसके विपरीत नरवाई को खेत में ही छोड़ देने से अनेक लाभ होते हैं। नरवाई- फसल अवशेष का प्रबंधन सतत खेती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसान नरवाई प्रबंधन जरुर करें। यह सतत खेती के लिए बहुत जरुरी है, इससे किसानों को अच्छी उपज मिलती है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान और अवशेष प्रबंधन से होने वाले फायदों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि नरवाई नहीं जलाने से नरवाई धीरे- धीरे विघटित होकर मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ मिलाती है, जिससे मिट्टी की संरचना सुधरती है और जल धारण क्षमता बढ़ती है। पोषक तत्वों का संरक्षण- नरवाई में मौजूद पोषक तत्व- नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम मिट्टी में वापस मिल जाते हैं, जिससे अगली फसल के लिए उर्वरकों की आवश्यकता कम हो जाती है। मिट्टी के कटाव में कमी- नरवाई मिट्टी की ऊपरी परत को ढंककर रखती है, जिससे हवा और पानी के कारण होने वाले मिट्टी के कटाव को रोका जा सकता है। खरपतवार नियंत्रण- नरवाई की परत खरपतवार के बीजों को अंकुरित होने से रोकती है, जिससे खरपतवार नियंत्रण में मदद मिलती है। मिट्टी के तापमान का नियमन- नरवाई मिट्टी के तापमान को स्थिर रखने में मदद करती है, जो पौधों की जड़ों के विकास के लिए अनुकूल होता है। लाभकारी सूक्ष्मजीवों को बढ़ावा- नरवाई मिट्टी में लाभकारी सूक्ष्मजीवों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाती है, जो मिट्टी के स्वास्थ्य और पोषक तत्वों की उपलब्धता के लिए आवश्यक हैं। खेत में ही छोड़ देना- किसान यदि संभव हो तो, कटाई के बाद नरवाई को खेत में ही छोड़ दें। यह धीरे- धीरे विघटित होकर मिट्टी में मिल जाएगी।

नकल करते पकड़ाई छात्रा तो अपनी और दो अन्य की कॉपी छीनकर फाड़ी

बैतूल। परीक्षा के दौरान एक छात्रा को मोबाइल से नकल करते हुए परीक्षक ने पकड़ा। इसके बाद गुस्से में आई छात्रा ने अपनी परीक्षा कॉपी फाड़ दी। नकलची छात्रा ने कक्ष में परीक्षा दे रहे अन्य दो विद्यार्थियों की कॉपी छीन कर फाड़ दी। घटना के बाद छात्रा परीक्षा कक्ष से भाग गई। जानकारी के अनुसार जेएच कॉलेज में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक बीबीए तृतीय वर्ष फंक्शनल मैनेजमेंट का पेपर था। शाम 4.30 के लगभग परीक्षक ने एक छात्रा को कक्ष में नकल करते हुए पकड़ लिया। छात्रा मोबाइल से नकल कर रही थी, जैसे ही परीक्षक ने छात्रा को नकल करते पकड़ा। छात्रा ने पहले तो अपनी कॉपी फाड़ दी। इसके बाद परीक्षा कक्षा में ही परीक्षा दे रहे अन्य एक छात्रा और एक छात्र की भी कॉपी फाड़ दी।

छात्रा ने अपनी कॉपी के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। शोर मचाने लगी और कक्ष से बाहर आकर भाग गई। घटना की सूचना प्राचार्य ने गंज थाने में दी। थाने से भी पुलिस मौके पर पहुंच गई। कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस में लिखित शिकायत दी है। घटना के बाद कॉलेज प्राचार्य ने विश्वविद्यालय से मार्गदर्शन मांगा। जिन छात्रों की कॉपी फाड़ी थी। उन्हें नई कापी दी। 4.30 बजे से उनकी परीक्षा शुरू हुई। उन्हें अतिरिक्त समय दिया। इस संबंध में गंज थाना प्रभारी अरविंद कुमरे ने बताया कि कॉलेज से सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। संबंधित छात्रा परीक्षा कक्ष व कॉलेज परिसर में नहीं मिली। मामले में यदि कॉलेज प्रशासन द्वारा शिकायत की जाती है तो आगे कार्रवाई की जाएगी।

इनका कहना है -

एक छात्रा को नकल करते पकड़ा गया था, जिसके बाद छात्रा ने अपनी और अन्य दो छात्रों की कॉपी फाड़ दी है। जिन विद्यार्थियों की कॉपी फाड़ी गई थी। उन्हें अतिरिक्त समय दिया गया। घटना की शिकायत पुलिस से भी की जा रही है।

- डॉ. मीनाक्षी चौबे, प्राचार्य, पीएमश्री जेएच कॉलेज बैतूल

मंदिरम् 76

आलमपुरम पापनासी मंदिर, तेलंगाना

आलमपुरम पापनासी मंदिर 9वीं और 11वीं शताब्दी के बीच के तेईस हिंदू मंदिरों का एक समूह है, जिन्हें तेलंगाना के आलमपुरम गांव के दक्षिण-पश्चिम में स्थानांतरित किया गया है। ज्यादातर खंडहर मंदिरों का यह समूह आंध्र प्रदेश की सीमा पर तुंगभद्रा नदी और कृष्णा नदी के मिलन बिंदु के पास स्थित है। वे शैव परंपरा के आलमपुर नवब्रह्म मंदिरों से लगभग 1.5 किलोमीटर दूर हैं, लेकिन कुछ शताब्दियों बाद राष्ट्रकूटों और बाद में चालुक्यों द्वारा पूरा किया गया।

डिंडौरी में खलिहान में आग, 7 किसानों की फसलें जलीं

18 एकड़ का गेहूं राख, फायर ब्रिगेड 2 घंटे बाद पहुंची; फिर पाया काबू

डिंडौरी (नप्र)। डिंडौरी में रविवार को मेहदवाणी थाना क्षेत्र के कठोतिया गांव के खलिहान में अचानक आग लग गई। हादसे में 7 किसानों की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई है। दोपहर करीब 1 बजे लगी आग में तुलसीराम साहू, मधु साहू, शिव हरि साहू, भूनती साहू और भूरी साहू समेत अन्य किसानों की फसल जल गई। किसानों ने बताया कि करीब 18 एकड़ जमीन की कटी हुई फसल खलिहान में रखी थी। रात में गेहूं की गहाई के लिए थ्रेशर भी मंगाया गया था।

फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

किसानों ने आग बुझाने का प्रयास किया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। शहपुरा नगर परिषद से फायर ब्रिगेड को पहुंचने में दो घंटे लग गए। तब तक सारी फसल जल चुकी थी।

किसान बोले- साल भर की मेहनत जल गई

राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का पंचनामा बनाया है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। किसान तुलसीराम ने कहा कि सालभर की मेहनत जल गई है और अब गुजारा करना मुश्किल होगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्थापना दिवस का आयोजन

वीडी शर्मा बोले- मुस्लिम खुद कहते हैं मोदी की योजनाओं से जीवन बदला; वोट देंगे या नहीं, ये अलग बात

भोपाल (नप्र)। रविवार को भाजपा के 46वें स्थापना दिवस के मौके पर भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम हुआ। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कार्यालय परिसर में भाजपा का ध्वज फहराया। इसके बाद उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय, श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। इसके बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने भोपाल की मध्य विधानसभा के बूथ क्र. 159 के कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया।

ये धारणा बनाई जाती है कि भाजपा तो बड़े लोगों की पार्टी है

प्राथमिक सदस्यों की बैठक में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- ये परसेप्शन बनाया जाता है कि भाजपा तो बड़े लोगों की पार्टी है। बलिदान के आधार पर खड़ा हुए दल को झोपड़ी में रहने वाले व्यक्ति ने विचार दिया। हर गरीब के जीवन को बदलने का काम उस गरीब मां का बेटा कर रहा है जो मां अपने बेटे के लालन-पालन के लिए दूसरों के घरों में काम करने जाती थी। उस मां के बेटे ने भारत का परिदृश्य बदल दिया। आज भाजपा का 46वां दिवस है। अपने बूथ पर जाकर लोगों को बताइए, कि ये वो भाजपा है जिसने हर गरीब के जीवन में बदलने का काम किया है। ग्वालियर से धीरेन्द्र किशोर वाजपेई भाजपा कार्यालय पहुंचे और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सहित तमाम कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाई। वाजपेई पिछले 40 सालों से हर वर्ष स्थापना दिवस के मौके पर मिठाई लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय आते हैं।

बीजेपी ने मुस्लिमों के साथ भेदभाव नहीं किया: वीडी शर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा- आपके आसपास कोई मुस्लिम भाई रहता होगा। तो मैं नहीं समझता कि प्रधानमंत्री आवास के लिए किसी मुस्लिम भाई को मना नहीं किया। कि आप मुस्लिम हो आप हमें वोट नहीं देते हो। आपको उज्जवला योजना का लाभ नहीं मिलेगा। ये किसी ने नहीं कहा 5 लाख तक के फ्री इलाज का अधिकार अगर मोदी जी ने दिया तो किसी ने ये नहीं कहा कि आपको इसका लाभ नहीं मिलेगा। आप हमारे समर्थक नहीं हो। प्रधानमंत्री जी ने कहा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। उन्होंने कहा कि यदि देश अगर आगे बढ़ेगा तो सबके प्रयासों से आगे बढ़ेगा।

मुस्लिम कहते हैं मोदी की योजनाओं से जीवन बदला

शौहर को पानी देने में देर हो जाए तो तलाक दे देते थे। वीडी शर्मा ने कहा- हमारी मुस्लिम बहनों के घर में थोड़ा झगड़ा हो जाए, शौहर को पानी देने में अगर थोड़ी सी देर कर दी तो शौहर तीन शब्द बोलता था तलाक, तलाक,तलाक और उस मुस्लिम बहन का जीवन नर्क हो जाता था। कांग्रेस जो मुस्लिमों को वोट बैंक मानती थी। कांग्रेस ने उन मुस्लिम बहनों की कभी चिंता क्यों नहीं की? उन मुस्लिम बहनों के जीवन में खुशियां लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी संसद में कानून बनाया। और प्रधानमंत्री जी ने कहा- मुस्लिम देशों में भी ट्रिपल तलाक नहीं हैं। लेकिन, भारत में ये ट्रिपल तलाक है। मैं बहनों को खुशी देने का काम करूंगा और उन्होंने कानून बनाकर ट्रिपल तलाक को खत्म कर दिया।

कार्यकर्ताओं से पूछा मध्य विधानसभा में दो बार क्यों हार गए: वीडी शर्मा ने मोदी सरकार की योजनाओं से मुस्लिमों के जीवन में आए बदलावों की बात करते हुए कहा- मैंने इसलिए उल्लेख किया है क्योंकि, मध्य विधानसभा में हम दो बार से चुनाव हार गए हैं, क्यों हार गए? तो इस बूथ क्र. 159 पर हर घर के अंदर भाजपा ने गरीबों के लिए, समाज के लिए क्या काम किया है? अगर कोई सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर है तो भाजपा की गरीब कल्याण की योजनाएं और आप जैसे कार्यकर्ता हैं। वीडी शर्मा ने कहा- हर कार्यकर्ता को मोदी जी की योजनाओं का ब्रांड एंबेसडर बनकर बूथ-बूथ पर जाना है। बूथ समिति को ये तैयारी करना चाहिए कि मेरे बूथ पर किसको कौन सी योजना का लाभ नहीं मिला हम उसको फायदा दिलाएंगे। अपने बूथ पर योजनाओं का लाभ कैसे दिलाना है ये तैयारी हम सब कार्यकर्ताओं को करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रामनवमी के पावन पर्व पर चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के तट स्थित भरत घाट पर दीप प्रज्वलित किए।

बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस में लगी आग

उज्जैन के ताराना में रोकी गई; आग वाले कोच को अलग कर रवाना की गई ट्रेन

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के पास ताराना में बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस (20846) ट्रेन में आग लग गई। आग ट्रेन के एसएलआर (जनरेटर डिब्बे) में लगी। धुआं उठने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, कुछ देर बाद आग वाले कोच को अलग कर गाड़ी को रवाना कर दिया गया। ताराना रोड स्टेशन मास्टर ने बताया कि आग बुझा ली गई है। किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

आग लगी तब काली सिंध नदी के ब्रिज पर थी ट्रेन: आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीण मुकेश रावल ने बताया कि ट्रेन में आग उस समय लगी जब वो काली सिंध नदी के ब्रिज पर थी। इस दौरान रेलवे के कर्मचारियों के साथ मिलकर पावर कोच में लगी आग को बुझाने के लिए पानी और अन्य साधनों से प्रयास किए।

बीकानेर से बिलासपुर जा रही थी ट्रेन: रेलवे पीआरओ खेमराज मीणा ने बताया कि ट्रेन बीकानेर से चलकर बिलासपुर जा रही थी। शाम करीब 5:30 बजे ताराना रोड स्टेशन से पहले ट्रेन के पावर कोच में आग लगी। जिसके बाद ट्रेन से इस डिब्बे को अलग कर दिया गया। इस दौरान ताराना से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलाकर आग पर काबू पाया।

एमपी बोर्ड-दसवीं-बारहवीं का रिजल्ट 10 मई तक

भोपाल (नप्र)। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) का हाई स्कूल और हायर सेकंडरी का रिजल्ट 10 मई तक घोषित किया जा सकता है। अब तक 45 प्रतिशत से ज्यादा मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है।

आमतौर पर परीक्षा समाप्ति के 45 दिन में कॉपी चेकिंग का लक्ष्य रखा जाता है। मंडल की परीक्षाओं में इस बार लगभग 16.5 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इन्होंने करीब एक करोड़ कॉपियां लिखीं। मंडल अधिकारियों ने बताया कि अब तक करीब 40 लाख से ज्यादा कॉपियां जांची जा चुकी हैं। अब भी भेजी जा रही कॉपी -मंडल की परीक्षा 25 मार्च को समाप्त हुई थी। इसके बाद इन्हें मूल्यांकन केंद्रों पर शुक्रवार को भी भेजा गया। खास बात यह है कि मुख्य विषयों की कॉपियां जांचने का काम तेजी से चल रहा है।

सिंधी में केवल एक परीक्षार्थी - मंडल के अधिकारियों ने बताया कि इस बार 10वीं में सिंधी भाषा की परीक्षा केवल एक ही परीक्षार्थी ने दी। इसी तरह गुजराती में भी लगभग 40 परीक्षार्थी और पंजाबी में 80 परीक्षार्थी शामिल हुए। ज्यादातर विद्यार्थियों ने तीसरी भाषा के रूप में हिंदी, इंग्लिश या उर्दू को चुना था।

मुख्यमंत्री ने पूर्व सांसद श्रद्धेय प्यारेलाल खण्डेलवाल की जयंती पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक, लोकसभा एवं राज्यसभा के पूर्व सदस्य श्रद्धेय प्यारेलाल खंडेलवाल की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय खंडेलवाल जी ने भारतीय जनसंघ एवं भाजपा को सशक्त करने के साथ अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, संगठन निर्माण और जनसेवा को समर्पित किया। उनके प्रखर विचार, कार्यशैली और प्रतिबद्धता आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

निशातपुरा स्टेशन शुरू होने के बाद मालवा नहीं आएगी भोपाल

भोपाल के बाद पॉड होटल अब आरकेएमपी, बैरागढ़ और सीहोर में भी होंगे शुरू

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पॉड होटल को यात्रियों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और इसी को देखते हुए अब इसे रानी कमलापति,संत हिरदाराम नगर और सीहोर में भी शुरू किया जाएगा। निशातपुरा रेलवे स्टेशन भी बनकर तैयार हो चुका है और जल्द ही यहां से मालवा एक्सप्रेस को रवाना किया जाएगा। बता दें कि 5 अप्रैल को भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर स्थित बिल्डिंग में पॉड होटल की शुरुआत की गई है। जिसका उद्घाटन डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी और सांसद आलोक शर्मा ने किया।

इन स्टेशनों पर भी शुरू होंगे पॉड होटल

भोपाल रेलवे स्टेशन पर शुरू किए गए पॉड होटल को यात्रियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसे ध्यान में रखते हुए अब यह सुविधा रानी कमलापति स्टेशन संत हिरदाराम नगर और सीहोर स्टेशन पर भी उपलब्ध कराई जाएगी। इन होटलों में यात्रियों के ठहरने के साथ-साथ सिर्फ 200 रुपए में भरपेट भोजन की व्यवस्था भी होगी।

क्या है पॉड होटल?

पॉड होटल, जिसे कैप्सूल होटल भी कहा जाता है, जापान से प्रेरित अवधारणा है। इसमें छोटी-छोटी कैप्सूल इकाइयों में यात्रियों को ठहरने की सुविधा दी जाती है, जो कम जगह में उच्च श्रेणी की सुविधाएं प्रदान करती है। भोपाल रेलवे स्टेशन पर यह सुविधा यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की जा रही है, जिसकी योजना 20 अक्टूबर 2019 को शुरू हुई थी और लगभग 6 साल बाद यह यात्रियों के लिए उपलब्ध हो रही है।

इन ट्रेनों को मिल सकता है निशातपुरा पर हॉल्ट

इंदौर-पटना-इंदौर एक्सप्रेस (अप/डाउन)
डॉ. आम्बेडकर नगर-प्रयागराज जंक्शन
भुज-शालीमार-भुज एक्सप्रेस
अहमदाबाद-पटना-अहमदाबाद

निशातपुरा रेलवे स्टेशन बनकर तैयार, जल्द होगा शुभारंभ

सांसद आलोक शर्मा ने जानकारी दी कि निशातपुरा रेलवे स्टेशन पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है। उन्होंने हाल ही में केंद्रीय रेल मंत्री से आग्रह किया है कि इसके उद्घाटन की तिथि जल्द घोषित की जाए, ताकि भोपाल को एक और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन की सौगात मिल सके। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि अगर मेट्रो परियोजना के चलते यात्रियों को कोई असुविधा हो रही है, तो वह स्वयं प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 पर जाकर स्थिति का जायजा लेंगे और डीआरएम (डिविजनल रेलवे मैनेजर) से बात करके समस्या का समाधान करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्री हित सर्वोपरि है और कोई भी परेशानी नजर आई तो उसे तुरंत दूर किया जाएगा। शर्मा ने बताया कि भोपाल में पॉड होटल को यात्रियों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और इसी को देखते हुए अब इसे रानी कमलापति ,संत हिरदाराम नगर और सीहोर में भी शुरू किया जाएगा।